केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

06 मार्च 2025

गुरुवार

हमारी सरकार बनी तो सौ फीसदी डोमिसाइल लागू करेंगे: तेजस्वी यादव

2

औरंगजेब की प्रशंसा पड़ी भारी... सपा विधायक अबू आजमी की विधानसभा सदस्यता निलंबित

- विरोध-प्रदर्शन: अबू आजमी के पोस्टर पर कालीख पोती गई और लात-जूते मारे गए
- मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष बोले- दागदार रहा है अबू आजमी का इतिहास

एजेंसी/मुंबई

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी को औरंगजेब की प्रशंसा करने पर बुधवार को मौजूदा बजट सत्र के अंत तक महाराष्ट्र विधानसभा की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने अपने बयान को वापस भी ले लिया, लेकिन विवाद विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को अबू आजमी के पोस्टर पर कालीख पोती गई और लात-जूते मारे गए. पोस्टर पर अबू आजमी मुदार्बाद लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने बारी-बारी से पोस्टर पर चप्पल मारे और कालीख पोते।

मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोरचा के अध्यक्ष वसीम खान ने कहा, अबू असिम आजमी का इतिहास दागदार रहा है। उन्होंने हमेशा हमारी एकता और अखंडता पर हमला करने के लिए प्रयास किए हैं। औरंगजेब की प्रशंसा कर उन्होंने महाराष्ट्र को शर्मसार कर दिया है। शिवसेना ने सपा नेता अबू आसिम आजमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि मुगल सम्राट औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली उनकी

टिप्पणी महाराष्ट्र के गौरव का अपमान है। शिवसेना के नगर अध्यक्ष प्रमोद नाना भांगिरे ने कहा कि हिंदुओं के खिलाफ औरंगजेब के अत्याचारों और धर्म परिवर्तन कराने के उसके प्रयासों का महिमामंडन नहीं किया जा सकता। उन्होंने आजमी पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की।

क्या दिया था बयान

समाजवादी पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष आजमी ने कहा था कि औरंगजेब के शासनकाल में भारत की सीमा अफगानिस्तान और बर्मा (म्यांमा) तक पहुंच गई थी। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया, हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत को (उनके शासनकाल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था। औरंगजेब और मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज के बीच लड़ाई के बारे में पूछे जाने पर आजमी ने इसे राजनीतिक लड़ाई करार दिया था।

कमबख्त को पार्टी से बाहर निकालिए, नहीं तो यूपी भेज दीजिए: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी का नाम लिए बिना कहा कि सपा औरंगजेब को अपना आदर्श मानती है। अरे उस कमबख्त को पार्टी से बाहर निकालिए और नहीं तो यूपी भेज दीजिए। उत्तर प्रदेश ऐसे लोगों का उपचार अच्छे से करता है। सीएम योगी ने कहा कि सपा भारत के विरासत पर गौरव की अनुभूति नही करती, कम से कम जिनके नाम पर राजनीति करती है उन्हीं की बातों को मान ले। डॉक्टर लोहिया ने कहा था कि भारत की संस्कृति के भगवान राम,

कृष्ण व शंकर आधार हैं। आज समाजवादी पार्टी डॉक्टर लोहिया के सिद्धांतों से दूर चली गई है। आज इन्होंने अपना आदर्श औरंगजेब को मान लिया है। औरंगजेब के पिता शाहजहां ने लिखा था खुदा करे ऐसी औलाद किसी को न दे। उन्होंने कहा कि आप जाइए शाहजहां की जीवनी पढ़ लीजिए। औरंगजेब भारत की आस्था पर प्रहार करने वाला था, वो भारत का इस्लामीकरण करने आया था। कोई भी सभ्य व्यक्ति अपनी औलाद का नाम औरंगजेब नहीं रखता। वहीं, उन्होंने विधान परिषद में अपने भाषण के दौरान कहा कि यह वर्ष महत्वपूर्ण है। हम इसके साक्षी बन रहे हैं। महाकुंभ आज हर उस व्यक्ति के मन मस्तिष्क में छा गया है, जो लंबे समय तक दुनिया को आकर्षित करेगा। लोगों की अपनी भावनाएं हो सकती हैं। हम किसी पर अपनी बात थोप नहीं सकते, जब महाकुंभ हो रहा था तो कई पार्टियों के नेता थे जो अनर्गल प्रलाप कर रहे थे, लेकिन हम इनसे इतर मौन रहकर अपना दायित्व निभा रहे थे।

खबरें फटाफट

उच्च गुणवत्ता वाली सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 3,880 करोड़ रुपये के पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम में संशोधनों को मंजूरी देकर किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं के वितरण को मंजूरी दे दी है। पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम पशुओं में होने वाले रोगों की रोकथाम और इलाज के लिए संचालित केंद्र सरकार की एक योजना है। इस योजना का तहत पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और पशुपालन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह पशु औषधि, जन औषधि योजना के समान होगी। अब जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाएं पीएम किसान समृद्धि केंद्रों और सहकारी समितियों के माध्यम से वितरित की जाएंगी। पशु चिकित्सा दवाओं के पारंपरिक ज्ञान को भी पुनर्जीवित किया जाएगा और योजना के हिस्से के रूप में इस पारंपरिक ज्ञान का भी दस्तावेज तैयार किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने ह्यपशु औषधिह्व के प्रावधान के तहत अच्छी गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं की आपूर्ति और बिक्री को प्रोत्साहन देने के लिए कुल बजट आवंटन से 75 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी, ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विशेषज्ञों की मदद से पूरा होगा प्रोजेक्ट

केदारनाथ व हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट को मंजूरी, मात्र 36 मिनट में पूरी होगी यात्रा

- केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- चारधाम की इस यात्रा में ये प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा, पिछले साल करीब 23 लाख भक्त केदारनाथ गए थे

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को उत्तराखंड को बड़ा तोहफा मिला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर लंबे रोपवे प्रोजेक्ट के विकास को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसका सबसे ज्यादा फायदा यह होगा कि जिस यात्रा में करीब 8-9 घंटे लगते थे, उसका समय घटकर अब केवल 36 मिनट ही रह जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 12.9 किलोमीटर रोपवे बनाने का फैसला लिया गया है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि जो आठ से नौ घंटे की यात्रा होती है वो घटकर महज 36 मिनट की रह जाएगी। हर एक गंडोला की क्षमता 36 लोगों की होगी। परियोजना को ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विशेषज्ञों की मदद से पूरा किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा, करीब 4,081 करोड़ रुपये का ये प्रोजेक्ट होगा और 12 ज्योतिर्लिंग में से जो एक ज्योतिर्लिंग जो एक केदारनाथ जी है। वहां पर बहुत बड़ी संख्या में भक्त जाते हैं। उनके लिए चारधाम की इस यात्रा में ये प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा। पिछले साल करीब 23 लाख भक्त केदारनाथ गए थे।

3,583 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ मंदिर की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और वर्तमान में इसे पैदल, पालकी और हेलीकॉप्टर के द्वारा पूरा किया जाता है। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा देने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच सभी मौसम की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट पर खर्च होंगे 2730 करोड़ रुपए

मोदी कैबिनेट ने हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दे दी है। इस पर 2730.13 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 12.4 किलोमीटर लंबी यह परियोजना हेमकुंड साहिब को गोविंदघाट से जोड़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, पर्वतमाला परियोजना के तहत उत्तराखंड में गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना के विकास को मंजूरी दी है। परियोजना की कुल लागत 2,730.13 करोड़ रुपये है। इस प्रोजेक्ट से हेमकुंड साहिब और वैली ऑफ फ्लावर तक की यात्रा की जा सकेगी।

रोज 11,000 यात्री कर सकेंगे रोपवे का इस्तेमाल

यह परियोजना हर मौसम में अंतिम मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी, जिससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। गोविंदघाट से घांघरिया (10.55 किमी) मोनोकेबल डिटैचेबल गोंडोला तकनीक पर आधारित होगा। घांघरिया से हेमकुंड साहिब (1.85 किमी) ट्राइकेबल डिटैचेबल गोंडोला तकनीक का उपयोग किया जाएगा। रोपवे की कुल यात्री वहन क्षमता 1,100 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी और यह प्रति दिन लगभग 11,000 यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा। इससे श्रद्धालु कम समय में और अधिक आरामदायक यात्रा कर सकेंगे।

प्रतिदिन 18 हजार यात्रियों को ले जाएगा रोप-वे

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह रोप-वे 3-एस टेक्नोलॉजी वाला होगा। इसमें तीन केबल होंगे। एक केबल- हालेज का काम करेगा। दो केबल सर्पोट का काम करेगा। रोप-वे का गंडोला (जिसमें यात्री सवार होकर मंदिर तक पहुंचेंगे) अपने आप में एक मिनी बस जैसा है। इसमें 36 लोगों के बैठने की जगह होगी। यह बहुत सेफ टेक्नोलॉजी है। ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बड़े टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट के साथ मिलकर इसे तैयार किया गया है। दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए यह प्रोजेक्ट बहुत काम काम आएगी। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित होगा. इसकी डिजाइन क्षमता 1,800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा (पीपीएचपीडी) होगी, जो प्रति दिन 18,000 यात्रियों को ले जाएगी।

सीएम धामी ने दी बधाई : केंद्र द्वारा दो परियोजनाओं की मंजूरी के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को बधाई दी। उन्होंने लिखा- बधाई हो उत्तराखण्ड। यह परियोजनाएं तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी, जिससे यात्रा आसान और सुगम होगी। इससे यात्रा में लगने वाला समय भी बहुत कम होगा जिससे तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

नवादा में करंट लगने से दो बच्चे समेत चार लोगों की मौत

एक गिरे हुए पेड़ को हटाने के दौरान हुआ हादसा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नवादा जिले के के नारदीगंज प्रखंड में बिजली का तार टूटने से 4 लोगों की मौत हो गई। यह घटना राजीव नगर के पास हुई। मृतक नालंदा जिले के राजगीर से बस गया खिजरसराय रोड की तरफ जा रहे थे। घटना उस समय हुई जब रास्ते में एक गिरे हुए पेड़ को हटाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक बिजली का तार टूट गया। तार की चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सभी मृतक एक बस में सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मृतक की पहचान एक ही परिवार के तीन सदस्यों के रूप में की गई। इनमें नालंदा जिले के मोहुरी गांव के रहने वाले पिंटू राजवंशी की पत्नी 35 वर्षीय लगभग गौरी देवी, 3 साल की बच्ची अनु कुमारी, 5 साल का बच्चा कार्तिक कुमार और मोहड़ा थाना क्षेत्र के केशोपुर अरई गांव निवासी संजीत पासवान (30 शामिल हैं। सभी लोग गया जिला के चैनपुरा जा रहे थे। इन तीनों परिवार को बचाने के क्रम में गया जिला के केशवपुर बेलदारी गांव के रहने वाले ट्रक चालक 35 वर्षीय संजीत कुमार की भी मौत हो गई है।

घटना के संबंध में मृतक के एक परिजन ने बताया कि बस ड्राइवर ने सभी सवारी को पहले वाहन से उतार दिया। फिर साइड से बस ले जाने की कोशिश करने लगा। तभी तार टूट गया और महिला की शरीर पर जा गिरा। इस दौरान महिला की मौत हो गई और दोनों बच्चों को बचाने के क्रम में एक और व्यक्ति की जान चली गई। नारदीगंज थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। नारदीगंज में स्वजन की चित्कार से माहौल गमगीन हो गया था।

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट में तीन जवान घायल

एजेंसी/रांची

झारखंड के चाईबासा जिले में नक्सलियों की ओर से जमीन के नीचे लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के एक असिस्टेंट कमांडेंट सहित तीन जवान घायल हो गए हैं। घायलों को एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची लाया गया है।

विस्फोट की घटना जराईकेला थाना क्षेत्र के बलीबा में बुधवार को उस वक्त हुई, जब सुरक्षा बलों और पुलिस की ज्वाइंट टीम जंगल-पहाड़ी से घिरे इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में जुटी थी। चाईबासा के एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है। इसी दौरान एक आईईडी में विस्फोट की घटना हुई है। विस्फोट की चपेट में आए सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट और दो जवानों को तत्काल हेलीपैड तक लाया गया और इसके बाद हेलीकॉप्टर के जरिए उन्हें रांची पहुंचाया गया। ब्लास्ट की यह घटना उस समय हुई है, जब सीआरपीएफ के डीजीपी झारखंड के दौरे पर हैं।

घायल जवानों में सीआरपीएफ के 197 बटालियन के कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार, रेडियो ऑपरेटर वीटी राव और असिस्टेंट कमांडेंट जी जे साई शामिल है। झारखंड के पुलिस मुखिया अनुराग गुप्ता ने घायल जवानों से मुलाकात की है। उन्होंने कहा है कि चाईबासा इलाके को नक्सली मुक्त करने के लिए पूरी ताकत लगा दी गई है।

मिजोरम के मुख्यमंत्री ने पेश किया 15198.76 करोड़ रुपये का बजट

एजेंसी/नई दिल्ली

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15,198.76 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें किसानों एवं छोटे उद्यमियों के लिए संचालित बाना कैह योजना का वित्तीय आवंटन 75 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने के लिए अप्रैल से एक योजना लेकर आएगी। बजट में नया कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया है। यह बजट 15,198.76 करोड़ रुपये का है, जो पिछले वर्ष के 14,412.12 करोड़ रुपये से 5.4 प्रतिशत अधिक है।

कार्यक्रम में बोले दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय

महिलाओं को पूजा से ज्यादा सम्मान की जरूरत है

- बोले सुप्रीम कोर्ट के जज- लैंगिक समानता अभी पूरी तरह हासिल नहीं हुई है, हमें लैंगिक मुद्दों के संबंध में अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं को पूजा से ज्यादा सम्मान की जरूरत है. मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) द्वारा 8 मार्च को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में

आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की जरूरत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, लैंगिक समानता अभी पूरी तरह हासिल नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हमें लैंगिक मुद्दों के संबंध में अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। इस बीच, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने 'वीरांगना' नामक एक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना में, हाशिए के समुदायों की महिलाओं को पैरा-लीगल वालंटियर (पीएलवी) के रूप में काम करने के लिए नामांकित किया जा रहा है. इन महिलाओं को दो दिनों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डीएसएलएसए यौन अपराधों और एसिड हमलों की शिकार महिलाओं, ट्रांसजेंडरों, महिला यौनकर्मियों, यौन अपराधों की शिकार नाबालिग महिलाओं, जो अब वयस्क हो चुकी हैं, स्वैच्छिक सामाजिक कार्यकताओं और नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों को भी प्रशिक्षण दे रहा है।

कानूनी सहायता में कई चुनौतियां: न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि महिलाओं को कानूनी सहायता प्राप्त करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस कार्यक्रम में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विभु बाखरू और दिल्ली न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद थे। इससे पहले, डीएसएलएसए के सदस्य सचिव राजीव बंसल ने बताया था कि प्राधिकरण इन पीएलवी को उनकी सेवाओं के लिए प्रतिनियुक्त दिनों के आधार पर भुगतान करेगा। उन्होंने कहा, इस परियोजना का उद्देश्य न केवल कानूनी सेवाएं प्रदान करना है, बल्कि इस वर्ष भी महिलाओं को समाज में अग्रणी के रूप में सशक्त बनाना है। इन महिला-केंद्रित पहलों का उद्देश्य उन्हें अधिकारों की रक्षा करने और सभी महिलाओं के लिए समान व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाना है।

किसानों से धान खरीद का 48 घंटे में होगा पूरा भुगतान, गेहूं खरीद की भी तैयारी पूरी : मंत्री

- पैक्सों के माध्यम से 39.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है
- गेहूं की बिक्री के लिए अबतक 24,324 किसानों ने निबंधन किया है

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के सहकारिता विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 45 लाख मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति यानी खरीद का लक्ष्य रखा था। इसमें 87 प्रतिशत खरीद पूरी कर ली गई है। पैक्सों के माध्यम से 39.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। सूबे में जिन किसानों ने पैक्स के जरिए धान बेचे हैं, उन्हें 48 घंटे के अंदर भुगतान कर दिया गया है। सरकार धान के बाद अब गेहूं खरीद के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भी तैयार है। एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू हो जाएगी। गेहूं की बिक्री के लिए अबतक 24,324 किसानों ने निबंधन किया है। सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,275 रुपये प्रति कुंतल से बढ़ाकर 2,425 रुपये प्रति कुंतल कर दिया है। सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने बुधवार को सूचना भवन के संवाद केंद्र में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

शत-प्रतिशत होगी धान और गेंहू की खरीद : सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि जो भी किसान गेहूं की बिक्री करना चाहते हैं, उनसे उनके फसल खरीद के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि फसल खरीद की पूरी प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से पूरी की जा रही है। इसके लिए किसानों से लगातार किया जा रहा है कि जिन्होंने ऑन लाइन आवेदन नहीं किया गया है। वह आवेदन कर इसका लाभ यथाशीघ्र प्राप्त करें। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। किसानों के खाता में सीधे ऑनलाइन के माध्यम से राशि जाएगी।

मन रहा है अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025

संयुक्त राष्ट्रसंघ के स्तर से वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया गया है। बिहार में भी राज्य, जिला एवं प्रखंड स्तर पर अनेक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। सहकारिता विभाग सहकारी समितियों के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान, युवा जागरूकता अभियान, कौशल विकास एवं महिला सशक्तिकरण पर सहकारी सम्मेलन, पैक्स सदस्यता कार्यशालाएं, सेमिनार इत्यादि का आयोजन किया जाना है। इसका लगातार प्रचार-प्रसार करना है। ताकि इसका अधिक से अधिक किसान इससे जुड़ सके। इसका लाभ प्राप्त कर सके। प्रचार-प्रसार के अभाव में कई किसान इससे जुड़ नहीं पाए है। सरकार की ओर से अलग से इसकी रणनीती अपनायी जा रही है। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। सचिव सहकारिता विभाग धर्मेंद्र सिंह, निंबधक सहयोग समितियां इनायत खान, अपर सचिव अभय कुमार सिंह, अपर निबंधक प्रभात कुमार एवं प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य सहकारी बैंक मनोज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना

मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि सरकार अच्छे कार्य करने वाले पैक्सों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत करेगी। इसके तहत प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 लाख, द्वितीय पुरस्कार-10 लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार-7 लाख रुपये दिए जाएंगे। जबकि जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार-5 लाख, द्वितीय पुरस्कार-3 लाख और तृतीय पुरस्कार-2 लाख रुपये दिए जाएंगे। वर्ष 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ पैक्सों को जल्द ही पुरस्कृत किया जाएगा। अबतक कुल 24 हजार 324 किसानों ने गेंहू बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन किया है।सहाकारी समितियों में बढ़ रही भंडारण क्षमताराज्य के सहकारी समितियों में 7,056 गोदाम का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे 15.67 लाख मीट्रिक टन भंडारण की क्षमता विकसित की गई है। इसके साथ ही 2023-24 में 169 करोड़ की लागत से 325 गोदाम निर्माण का कार्य प्रगति पर है। जबकि वर्ष 2024-25 में 147 करोड़ की लागत से 259 गोदाम बनवाए जा रहे हैं। इन गोदामों के निर्माण से 2.5 लाख मैट्रिक टन भंडारण क्षमता विकसित होगी।

पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में युवा राजद चौपाल कार्यक्रम आयोजित

हमारी सरकार बनी तो सौ फीसदी डोमिसाइल लागू करेंगे: तेजस्वी

- दिव्यांग पेंशन और वृद्धा पेंशन को बढ़ाकर 1500 किया जाएगा
- 534 प्रखंडों में से 400 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है

केटी न्यूज/पटना

राजनीतिक तापमान एक बार फिर बढ़ गया है। युवा राजद के बैनर तले पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में युवा चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने युवा नीति और रोजगार पर बड़े एलान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रदेश युवा अध्यक्ष राजेश यादव ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी युवा राजद बिहार शिवेंद्र कुमार तांती ने किया। कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि अगर राजद सरकार में आती है, तो प्रदेश की नौकरियों में सौ फीसदी डोमिसाइल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। हम बिहार सरकार की नौकरियों में आवेदन शुल्क माफ करेंगे और एक महीने के अंदर युवा आयोग का गठन करेंगे।उन्होंने महिलाओं के लिए ्माई-बहन मान योजना्ल की भी घोषणा की, जिसके तहत बिहार की सभी माताओं और बहनों को 2500 प्रतिमाह दिया जाएगा। साथ ही 200 यूनिट मुफ्त बिजली, दिव्यांग पेंशन और वृद्धा पेंशन को बढ़ाकर ?1500 किया जाएगा।

टायर्ड और रिटायर्ड सीएम नहीं चाहिए

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार को अब एक थका हुआ सीएम नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार देश का सबसे युवा प्रदेश है, लेकिन इसे टायर्ड और रिटायर्ड मुख्यमंत्री चला रहे हैं। सीएम की हालत यह है कि उन्हें अपने मंत्रियों तक के नाम याद नहीं रहते, तो प्रदेश भगवान भरोसे चल रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है और बेरोजगारी में नंबर वन है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में बिहार की दो पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया और अगर उन्हें एक और मौका मिला, तो तीसरी पीढ़ी भी बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि 534 प्रखंडों में से 400 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है। उन्होंने कहा कि हर एक लाख छात्रों पर बिहार में सिर्फ सात कॉलेज हैं।

65 फीसदी आरक्षण फिर से लागू करेंगे

तेजस्वी ने कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब आरक्षण का दायरा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी किया गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रद्द करवा दिया। उन्होंने एलान किया कि राजद की सरकार आते ही इसे फिर से लागू किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की वर्तमान सरकार रिटायर अधिकारियों को एक्सटेंशन देकर काम दे रही है, लेकिन काम करने वाले युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अगर नौकरी, रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहिए, तो इस सरकार को बदलना पड़ेगा। तेजस्वी यादव ने सरकार को पेपर लीक, लाठीचार्ज और रोजगार संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि युवा विरोधी सरकार लगातार परीक्षाओं में पेपर लीक करा रही है, बेरोजगार युवाओं पर लाठियां चला रही है और नौकरी के नाम पर सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है।

अवैध बालू खनन में छह ट्रैक्टर और एक जेसीबी जब्त

किशनगंज। जिले के टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान भोरहा पंचायत के फुलबड़िया हाट स्थित रेतुवा नदी तट से छह ट्रैक्टर और एक जेसीबी जब्त की गई। इस कार्रवाई के बाद खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। खनन विभाग के इंस्पेक्टर राहुल कुमार के नेतृत्व में यह छापामारी की गई। वहीं, टेढ़ागाछ थाना अध्यक्ष इजहार आलम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने रेतुवा नदी के तट पर छापामारी की। जांच में यह भी सामने आया कि इन ट्रैक्टरों से बांध निर्माण के लिए मिट्टी की ढुलाई की जा रही थी, लेकिन इसके लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी।

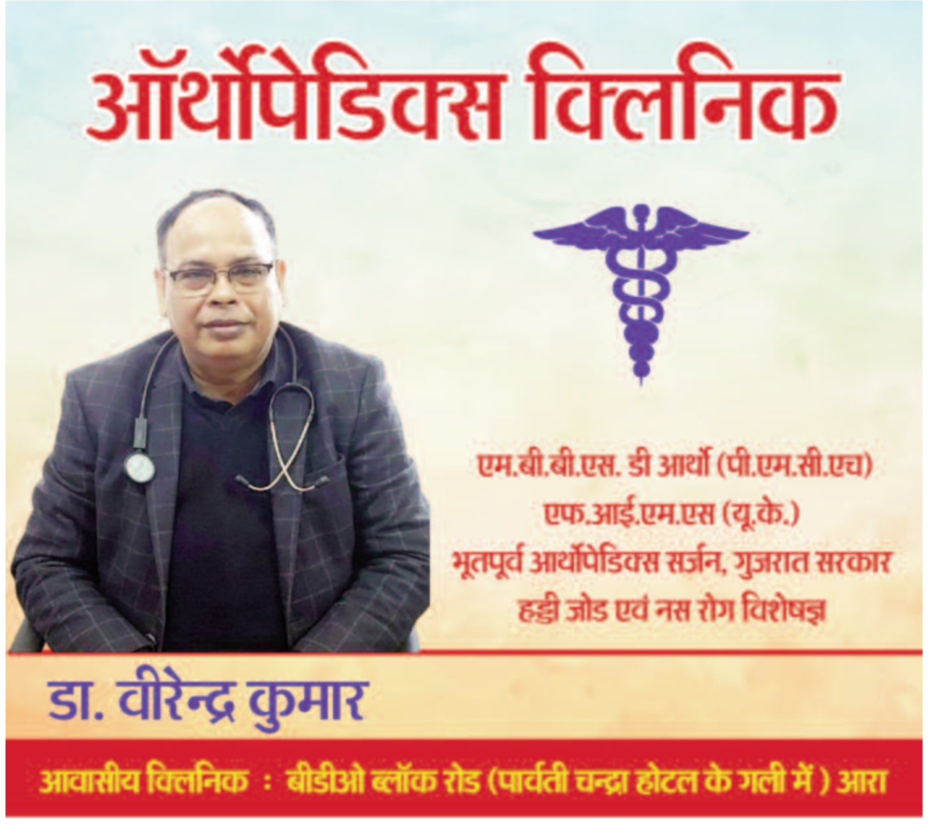

दो शातिर चोर गिरफ्तार, 45 लाख रुपए नगद बरामद

गया। गया जिले से अंतरजिला चोर गिरोह के दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी के आभूषण और लाखों रुपए बरामद किये हैं। गिरफ्तार चोरों की पहचान गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के रहने वाले स्व. भीमराव करंडे के पुत्र शिवाजी करंडे और स्व. गंगा प्रसाद गुप्ता के पुत्र राजेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। फिलहाल गिरफ्तार चोरों से गिरोह के अन्य साथियों के बारे में पुछताछ कर रही है। सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि जिले के इमामगंज थाना क्षेत्र में सोना चांदी के दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर चोर को चोरी में उपयोग की गई एक बाइक, एक मोबाइल, कटर मशीन, पेचकस, लोहे के औजार के साथ गिरफ्तार किया गया।

बीजेपी सिर्फ वोट बैंक के लिए सीएम नीतीश कुमार का कर रही है इस्तेमाल : प्रशांत किशोर

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया पहुंचे जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने बिहार की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही है। वहीं शराबबंदी पर बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि शराबबंदी सिर्फ कागजों में है। उनकी सरकार बनने पर एक घंटे में इसे हटा देगी। उन्होंने दावा किया कि शराबबंदी से राज्य को 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। उन्होंने चुनौती दी कि अगर नीतीश मुख्यमंत्री बन जाते हैं, तो वे अपना अभियान वापस ले लेंगे। उनका आरोप है कि राजद, कांग्रेस, भाजपा और जदयू मिलकर बिहार को लूट रहे हैं।

जन सुराज की भविष्य की योजनाओं का खुलासा करते हुए किशोर ने बताया कि 2025 में उनकी पार्टी सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 2029 तक किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। चंपारण से जनसभाओं की शुरूआत के बाद पदयात्रा की योजना है। सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वह अस्वस्थ हैं और अपने मंत्रियों के नाम तक नहीं बता पाते। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश बीजेपी के पैसे से चुनाव लड़ते हैं। प्रशांत किशोर ने याद दिलाया कि नीतीश के मानसिक स्वास्थ्य पर सबसे पहले नवंबर 2023 में भाजपा नेता सुशील मोदी ने सवाल उठाए थे। इससे स्पष्ट हो रहा है कि नीतीश का उपयोग केवल वोट के लिए किया जा रहा है। अन्य कोई कार्य के लिए नहीं।

प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने का प्रयास

परीक्षा कॉपियों के मूल्यांकन में फर्जीवाड़ा करने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई : डा. एस सिद्धार्थ

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने आदेश जारी करते हुए शिक्षकों को सचेत किया है। शिक्षा विभाग के इस आदेश के बाद शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शिक्षा विभाग लगातार प्रयासरत है। विभाग के एसीएस एस. सिद्धार्थ लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने आदेश जारी कर परीक्षा कॉपियों के मूल्यांकन में फजीर्वाड़ा करने वाले शिक्षकों को सख्त चेतावनी दे दी है। शिक्षा विभाग के इस आदेश के बाद शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने आदेश जारी करते हुए शिक्षकों को सचेत किया है। शिक्षा विभाग की तरफ से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को जारी आदेश में कहा कि विगत वर्ष प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने एवं इसके मूल्यांकन को सुदृढ़ कराने हेतु आवश्यक दिशा-निदेश दिया गया था, परंतु कतिपय जिलों से अर्द्धवार्षिक परीक्षा के संचालन एवं इसके मूल्यांकन में पूरी तरह से पारदर्शी एवं सशक्त तरीके से परीक्षा का संचालन एवं मूल्यांकन नहीं कराने संबंधी सूचना विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त हुई थी। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 मार्च 2025 से प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में संचालित होने वाले अर्द्धवार्षिक परीक्षा को सशक्त एवं कदाचारमुक्त कराने हेतु परीक्षा एवं मूल्यांकन में संलग्न सभी पदाधिकारियों, केन्द्राधीक्षकों, वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों को सख्त निदेश दिये जाये। इस आदेश के अनुपालन में कोई भी चूक-लापरवाही मान्य नहीं होगी एवं दोषी पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा उपरांत प्रत्येक जिले में ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर छात्र-छात्राओं के उत्तर पुस्तिका में दिए गए उत्तर के मूल्यांकन एवं अंकशीट आदि की प्रविष्ट से रैंडम तरीके से छात्र-छात्राओं के नाम एवं पता के साथ 500-1000 छात्र-छात्राओं की सूची डीईओ को उपलब्ध कराई जाएगी।

बढ़ेगी चौकसी: अब सीआईएसएफ करेगी चौसा में निर्माणाधीन थर्मल प्लांट की सुरक्षा, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/चौसा

- सीआईएसएफ कमांडेंट को सुरक्षा की जिम्मेवारी सौंपते हुए दी गई प्रतीकात्मक चाबी

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था अब सीआईएसएफ के जिम्मे रहेगा। बुधवार को समारोह आयोजित कर एसजेवीएन के अधिकारियों ने सीआईएसएफ के कमांडेंट को सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी सौंपते हुए प्रतीकात्मक चाबी दी गई। इसके साथ ही अब इस कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था सीआईएसएफ के जिम्मे हो गया है।

इसको लेकर प्लांट स्थल पर एक सीआईएसएफ प्रवेश सामारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास शर्मा ने गई। जहां मौके पर सीआईएसएफ के डीआईजी कौशिक गंगौली भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ एसजेवीएन गीत के साथ प्रारम्भ किया गया। इस मौके पर डीआईजी ने ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान एसटीपीएल के अधिकारियों द्वारा

सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपते हुए कमांडेंट को प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई।

इस मौके पर सीईओ विकास शर्मा ने कहा अब सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ सीआईएसएफ की टुकड़ियां पहुंच चुकी है। जिन्हें जिम्मेदारी भी दी जा चुकी है। इनके आने से प्लांट के सुरक्षा क्षेत्र मजबूत हो गया है। निर्माण कार्य भी बहुत जल्द पूरा कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्लांट की सुरक्षा दो टुकड़ियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें से एक टुकड़ी प्लांट के मुख्य द्वार और संवेदनशील स्थानों की निगरानी करेगी, जबकि दूसरी टुकड़ी प्लांट परिसर में गश्त करेगी। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाना और संभावित खतरों से बचाव सुनिश्चित करना है। वही, डीआईजी ने बताया कि 1956 से केंद्रीय औधोगिक बल की स्थापना की गई थी। तब से अब तक अपना कार्य बखूबी निभा रहे है। आगे भी सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाएंगे।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे प्लांट की सुरक्षा के लिए कठोर निगरानी और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि देश में जितने भी इंडस्ट्रीय एरिया है,उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सीआईएसएफ को ही दी जाती है। जिसे सीआईएसएफ के जवान बखुबी निभाती है। इस कार्यक्रम का संचालन एचआर के मितेश यादव ने की।

मौके मुख्य वित्त अधिकारी नवीन झा, मानव संसाधन के बलजीत सिंह, अधिकारी पुलक मुकोपाध्याय, सीआईएसएफ कमांडेंट मो. नैयर आजम खां, डिप्टी कमांडेंट रघुवेन्द्र सिंह आदि अधिकारीगण शामिल थे।

गौरतलब हो कि हाल के दिनों में स्थानीय किसानों के आंदोलन के चलते कई बार इस थर्मल पॉवर प्लांट का निर्माण कार्य बाधित हो चुका है। जिस कारण अब इस प्लांट की सुरक्षा की जिम्मेवारी सीआईएसएफ को सौंपी गई है।

डीएम ने किया मलई बराज योजना के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण

मलई बराज योजना के माध्यम से 5630 हेक्टेयर भूमि की होगी सिंचाई: जिलाधिकारी

- दो वर्ष में पूरा करने का दिया निर्देश, कहा- किसानों के लिए वरदान साबित होगी
- द्वितीय पुनरीक्षित का निर्माण कार्य के लिए लगभग दो सौ पांच करोड़ की मिली है प्रशासनिक स्वीकृति

केटी न्यूज/नावानगर

डीएम अंशुल अग्रवाल ने बुधवार को मलई बराज योजना के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बराज निर्माण के हुए कार्य एवं शेष कार्य पर संबंधित अधिकारी से वार्ता किया।

इस दौरान डीएम ने बताया कि सिंचाई योजना सहित मलई बराज योजना के लिए द्वितीय पुनरीक्षित का निर्माण कार्य के लिए दो सौ चार करोड़ पंचानबे लाख चौसठ हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसपर मई माह से कार्य शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही वर्ष 2027 में मलई बराज निर्माण कार्य को संपन्न होने के साथ बराज से खेतों के सिंचाई की पानी मिलने लगेगी। जिससे नावानगर, केसठ, चौगाईं व डुमरांव प्रखंड के 5630 हेक्टेयर खेत की सिंचाईं होगी।

किसानों के लिए वरदान साबित होगी परियोजना : डीएम ने कहा कि यह योजना क्षेत्रिय किसानों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से डुमरांव अनुमंडल के दक्षिणी इलाके के किसानों के लिए सिंचाईं एक बड़ी समस्या बन गई थी। जिस कारण किसानों की खेती मॉनसून पर निर्भर हो गई थी। हालांकि, इस क्षेत्र में नहरे भी है, लेकिन अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था। जबकि मलई बराज परियोजना के पूरा होने से किसानों के खेत तक पानी पहुंचने लगेगा। डीएम ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

गुणवत्तापूर्ण कार्य संपन्न कराने का दिया निर्देश : निरीक्षण के दौरान डीएम ने निर्माण एजेंसी समेत संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण बराज का निर्माण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि यह परियोजना किसानों व सरकार दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। लिहाजा इसका निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण संपन्न होना चाहिए। डीएम ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यदि मानक के अनुरूप काम होता नहीं दिखाई पड़ेगा तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा के दौरान सिंचाई योजना व मलई बराज योजना के द्वितीय पुनरीक्षित का निर्माण कार्य की सौगात दी थी। इसकी घोषणा सीएम ने किया था। जिसके बाद इस परियोजना के पुनरीक्षित निर्माण कार्य का प्रशासनिक स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा 25 फरवरी को मिल गई है। वहीं, विभाग द्वारा न सिर्फ रिकार्ड समय में इसकी स्वीकृति दी गई, बल्कि योजना की राशि भी निर्गत कर दी गई है। जिससे अब इस परियोजना के शीघ्र पूरा होने की उम्मीद बढ़ गई है। किसान भी इस ओर टकटकी लगाए बैठे है।

निरीक्षण के दौरान डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, वरीय उप समाहर्ता सह प्रखंड विकास पदाधिकारी नावानगर आलोक नारायण वत्स, कार्यपालक अभियंता सिंचाई प्रमंडल नावानगर, रूपसागर मुखिया बृज कुमार सिंह, सीओ व स्थानीय कृषक मौजूद थे।

केसठ, डुमरांव व भोजपुर राजवाहा के अंतिम छोर तक मिलेगा पानी

मलई बराज के निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से जिला के सोन नहर प्रणाली के अंतिम छोर चौंगाईं, ब्रह्मपुर, केसठ, नावानगर, डुमरांव के उत्तरी हिस्से के किसानों को खेतों में सिंचाई करने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। आलम यह था कि किसानों को कभी भी समय से पानी नहीं मिल पाता था, वहीं, नहरों के अंतिम छोर तक पानी तभी पहुंचता था जब खेतों में सिंचाईं की जरूरत नहीं होती थी। जरूरत के समय पानी नहीं पहुंचने से नहरों के टेल एंड के किसान काफी परेशान होते थे तथा उनकी खेती भी पिछड़ जाती थी, लेकिन मलई बराज योजना को स्वीकृति मिलते ही अब किसानों में इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही उनके खेत तक निर्बाध गति से पानी पहुंचने लगेगा।

स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ता से 38 हजार की ठगी, एफआईआर दर्ज

कृष्णाब्रह्म। साइबर अपराधी लोगों को चुना लगाने के लिए नित नये हथकंडे अपना रहे है। इसी कड़ी में थाना क्षेत्र के अरक गांव निवासी एक बिजली उपभोक्ता का स्मार्ट मीटर चालू कराने के नाम पर साइबर अपराधियों ने 38 हजार रूपए की ठगी कर ली है। इसकी जानकारी होने के बाद पीड़ित ने इस मामले में स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराया है।

पीड़ित अरूण कुमार सिंह ने पुलिस को दिए आवेदन में इस बात का जिक्र किया है कि 28 फरवरी को मेरे मोबाइल पर एक काल आया कि बिहार बिजली स्मार्ट मीटर से बोल रहा हूं आपका प्रीपेड बैलेंस समाप्त हो गया है, तुरंत 13 रुपये का रिचार्ज करना होगा नहीं तो 2250 रुपये भरना पड़ेगा। बातचीत के बाद उसने मेरे व्हाट्सऐप पर इलेक्ट्रिक बिल का एप भेज दिया जैसे जैसे बोला वैसे वैसे करते गए तब तक इतने में मेरे एकाउंट से 38 हजार रुपये कट गया तब जा कर एहसास हुआ कि मेरे साथ ठगी हो गया है।

गौरतलब हो कि बिजली कंपनी के फर्जी ऐप के माध्यम से पहले भी कई बार उपभोक्ताओं से ठगी हो चुकी है। बावजूद लोग साइबर ठगों के जाल में फंस जा रहे है। इस संबंध में कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं होंगी सम्मानित: एडीएम

बक्सर। एडीएम कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, ब्रह्मपुर महोत्सव, विश्वामित्र महोत्सव, उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव, बक्सर जिला स्थापना दिवस एवं बिहार दिवस के आयोजन से संबंधित बैठक कार्यालय कक्ष में बैठक की गई। बैठक में एडीएम ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2025 के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नगर भवन बक्सर में सम्मानित किया जाएगा। बैठक में विमर्श के क्रम में एवं जिला पदाधिकारी की अनुमति के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि ब्रह्मपुर महोत्सव को 10 मार्च 2025 की जगह 11 मार्च 2025 को आयोजित किया जाएगा। शेष आयोजन को यथावत पूर्व निर्धारित तिथि को आयोजित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बक्सर जिला स्थापना दिवस तथा विश्वामित्र महोत्सव 17 मार्च को मनाया जाएगा। वहीं, शहनाईं शाहंसाह उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के जयंति के मौके पर 21 मार्च को उत्साद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव मनाया जाएगा। जबकि 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाता हैं। एडीएम ने कहा कि 17 से 22 मार्च तक जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिला स्थापना दिवस, विश्वामित्र महोत्सव, उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव तथा बिहार का स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूम धाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों को काफी भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन काफी तत्पर है। खासकर जिला व बिहार का स्थापना दिवस पर व्यापक कार्यक्रम किए जाएंगे। दोनों कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई तरह के आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए स्कूली छात्रों को भी तैयार किया जा रहा है। वहीं, विद्यालय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसकी जिम्मेवारी शिक्षा विभाग की होगी।

नौ अप्रैल को चौसा एवं पवनी पैक्स का होगा मतदान, तैयारी में जुटा प्रशासन

केटी न्यूज/चौसा

- चार माह बाद निर्वाचन आयोग से आया फैसला
- पंचायतों में तेज हुई प्रत्याशियों की सरगर्मी, वोटरों की गोलबंदी शुरू

राज्य निर्वाचन आयोग ने चौसा नगर पंचायत व पवनी पंचायत के पैक्स चुनाव की हरी झंडी दे दी है। दोनों जगहों पर 9 अप्रैल को मतदान व मतगणना कराया जाएगा। इसकी अधिसूचना जारी होते ही जहां प्रशासन द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। वहीं, प्रत्याशियों में भी चुनाव को ले सरगर्मी बढ़ गई है।

बता दें कि मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर की गई शिकायतों के बाद दोनों पैक्सों का चुनाव स्थगित कर दिया गया था। अब चार महीने बाद राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव की नई अधिसूचना जारी कर दी है, जिससे प्रत्याशियों और मतदाताओं में उत्साह है।

प्रखंड निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार आगामी 9 अप्रैल को दोनों पैक्स के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनावी प्रक्रिया की शुरूआत 10 मार्च को सूचना प्रकाशन के साथ होगी। इच्छुक उम्मीदवार 26 और 27 मार्च को अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की समीक्षा 28 और 29 मार्च को होगी, जबकि उम्मीदवार 2 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। मतदान के दिन 9 अप्रैल को ही मतगणना भी पूरी कर ली जाएगी।

काफी समय से इंतजार कर रहे थे मतदाता : चुनाव स्थगित होने के कारण प्रत्याशी और मतदाता काफी समय से इंतजार कर रहे थे। अब चुनावी सरगर्मी फिर से तेज हो गई है। आयोग की सख्ती के चलते इस बार निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की उम्मीद की जा रही है। प्रशासन भी पूरी तैयारियों में जुट गया है ताकि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सकें। चुनाव की तिथियां घोषित होते ही प्रत्याशी अब नए जोश के साथ तैयारियों में जुट गए है।

गौरतलब हो कि चौसा नगर पंचायत और पवनी पैक्स के चुनावों पर पूरे प्रखंड की नजर है, क्योंकि ये चुनाव स्थानीय राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं। अब देखना होगा कि मतदाता किसे अपना समर्थन देते हैं और चुनावी नतीजे क्या तस्वीर पेश करते हैं।

स्टेशन के बाहर खड़ी बाइक चोरी, केस दर्ज

डुमरांव। शहर में बाइक चोरों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। बाइक चोरी की घटना से वाहन मालिकों में भय का माहौल है। ऐसी ही एक घटना डुमरांव रेलवे स्टेशन के बाहर घटी। जहां टिकट काउंटर के पास खड़ी एक बाइक को उचक्कों ने उड़ा लिया। पीड़ित नावानगर थाना क्षेत्र के डिहुपुर गांव निवासी लक्ष्मीकांत पांडेय के पुत्र कृष्णकांत पांडेय बताया जाता। इस मामले में पीड़ित ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पीड़ित ने अपने आवेदन में बताया हैं कि वह अपने बाइक को रेलवे स्टेशन के बाहर टिकट काउंटर के नजदीक खड़ा कर ट्रेन के टिकट कटाने काउंटर पर चला गया। जब वापस लौटा तो बाइक नदारद थी। आसपास काफी खोजबीन किया लेकिन कोई सुराग नही मिला। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर अज्ञात चोरों की पहचान करने में जुट गयी है।

जिला निबंधन परामर्श केन्द्र के तत्वावधान में छात्रों से भरवाए गए फार्म

प्लस टू हाई स्कूल मानिकपुर व खरहना के छात्रों को मिली आर्थिक हल युवाओं को बल की जानकारी

- मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भता योजना के तहत 13 एवं कुशल युवा कार्यक्रम के तहत 65 आवेदन प्राप्त हुए

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के कैथरकला पंचायत अंतर्गत प्लस 2 उच्च विद्यालय मानिकपुर, खरहना पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय खरहना में शिविर लगा छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पांच आवेदन, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत 13 आवेदन एवं कुशल युवा कार्यक्रम के तहत 65 आवेदन प्राप्त हुए। उक्त कार्यक्रम के दौरान योजना का लाभ प्राप्त करने की अहताएं एवं शर्त पर भी छात्रों के बीच चर्चा की गई तथा उन्हें योजनाओं से अवगत कराया गया।

इस शिविर में छात्रों को बताया गया कि राज्य सरकार के कुशल युवा कार्यक्रम अंतर्गत युवाओं को स्वरोजगार के लिए हुनरमंद बनाया जा रहा है। वहीं, किशोरों को भी कई तरह के प्रशिक्षण दिए जा रहे है, जिसका लाभ उठा वे अपने पैर पर खड़े हो सकते है। आयोजकों द्वारा युवाओं को सभी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई तथा समय रहते इसका लाभ उठाने की अपील छात्र-छात्राओं से की गई।

शिविर में विद्यार्थी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, सभी शिक्षकगण, सन्नी कुमार एवं शम्भू नाथ चौबे, सिंगल विंडो ऑपरेटर जिला निबंधन परामर्श केंद्र बक्सर, पंचायती राज प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

अच्छी पहल: डुमरांव में पहली बार हो रहा है महिला शौचालय का निर्माण

♦ वार्ड 24 में छह सीटेड महिला शौचालय का कराया जा रहा निर्माण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद की एक अच्छी पहल सामने आई है। नगर परिषद अब महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालय बनवा रही है। यह पहली बार हो रहा है जब नगर परिषद द्वारा महिलाओं के लिए शौचालय बनवाया जा रहा है।

बता दें कि नगर परिषद क्षेत्र में महिला शौचालय की कहीं व्यवस्था नहीं होने से जिसके घरों में शौचालय नहीं है, उन्हें खुले में शौच करने के लिये जाने पर विवश होना पड़ता है। इसी को रोकथाम के लिये नप ने महिला शौचालय बनाने की दिशा में पहल शुरू किया है। साथ ही वैसे स्थलों की तलाश के लिये कर्मियों को लगाया है, जहां महिला शौचालय बनाया जा सके।

विदित हो कि वार्ड 24 में छह सीटेड शौचालय का निर्माण डेढ़ दो दशक पहले पूर्व सांसद लालमुनी चौबे ने कराया था। बनने के बाद इसका प्रयोग ही नहीं हुआ। उक्त शौचालय की स्थिति काफी जर्जर हो गई थी, उसके पानी टंकी का भी कोई नामोनिशान नहीं था। उसी स्थान पर बारह सीटेड दो मंजिला सामुदायिक शौचालय का निर्माण नप ने कराया। उक्त शौचालय के लिये भूमिगत पानी टंकी का निर्माण नहीं हुआ था, लिहाजा उसका उपयोग भी लोग नहीं करते थे। ऐसे में महिला और पुरूष खुले में शौच करने जाने पर मजबूर थे।

नगर परिषद ने उक्त जर्जर शौचालय को महिला शौचालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। इतना ही नहीं जिस शौचालय का भूमिगत पानी टंकी नहीं बना है, उसे भी बनवाया जा रहा है। चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की लालमुनि चौबे द्वारा बनवाये गए शौचालय का जीर्णोद्धार करते हुए उसे महिला शौचालय का स्वरूप दिया जा रहा है। उसी कैम्पस में चेंजिंग रूम के साथ फ्रेश रूम भी बनाया जा रहा है। महिला शौचालय बनने से वार्ड की महिलाओं में खुशी व्याप्त है। वहीं जो पांच साल पहले दो मंजिला 12 सीटेड शौचालय बनाया गया है, उसकी भी भूमिगत पानी टंकी बनवाकर पुरूषों के लिये खोल दिया जाएगा। इस कार्य से वार्ड महिलाओं में काफी खुशी है।

एक नजर

जब-जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब होता है प्रभु का अवतार: कथा वाचिका

नावानगर। भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। उक्त बातें बुधवार को स्थानीय प्रखंड के गिरधर बरांव गांव स्थित ठाकुरबाड़ी परिसर में चल रही राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में श्रीमद् भगवत के कथावाचिका सुदीक्षा कृष्णा जी ने कहा। उन्होंने श्री कृष्ण के बाल लीलाओं का वर्णन कर धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब तब प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना करने के लिए होता है। जब कंस ने सभी मयार्दा तोड़ दिया तो भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ। कथा के दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान श्री कृष्ण के जयकारों व नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इधर कथावाचिका द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की वर्णन पर श्रोता भक्ति में भाव विभोर हो गए थे। इस अवसर पर आचार्य विजय कुमार मिश्र, टुनटुन पांडेय, यजमान अधिवक्ता भरत सिंह, व्यवस्थापक बिहारी सिंह, अजय सिंह समेत क्षेत्र के सैकड़ों महिला पुरुष श्रद्धालु भक्तजन मौजूद थे।

नगर परिषद पीएचईडी के कार्यों को पहले कराएगा सर्वे, फिर लेगा हैंडओवर

डुमरांव। बिहार सरकार शहरी क्षेत्र को पीएचईडी के कार्यों से मुक्त करेगा। इसके लिये पीएचईडी अपने सारे कार्य को नगर परिषद को हैंडओवर करेगा। बुधवार को हैंडओवर करने के लिये पीएचईडी के जेई नप कार्यालय पहुंचे हुए थे। उन्होंने हैंडओवर लेने के लिये ईओ को आवेदन दिया। ईओ ने अपने बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह को आदेशित किया की पहले अपने कर्मियों को भेज पीएचईडी के द्वारा कराए गए कार्यों का सर्वे कराते हुए रिपोर्ट करें फिर हैंडओवर लिया जाएगा। बड़ाबाबू ने पीएचईडी के जेई को सारी बाते बताते हुए सर्वे के बाद भी हैंडओवर लेने की बात कही। इस संबंध में ईओ से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसे कैसे हैंडओवर ले लिया जाएगा। पूरे शहर में भूमिगत पइपों की क्या स्थिति है। लिकेज कितने स्थानों पर है। जो नल लगाए गए हैं, उसकी क्या स्थिति है, जो जलमीनार मौजूद है, उस पर पानी चढ़ता है कि नहीं। इन सारी बातों का सर्वे कराया जाएगा, फिर जहां गड़बड़ी होगी उसे बनवाया जाएगा, फिर हैंडओवर लिया जाएगा। मालूम हो कि शहर में पेयजल आपूर्ति के लिये प्रखंड कार्यालय, छठिया पोखरा काव नदी के किनारे और ट्रेनिंग स्कूल के पास तीन जलमीनार स्थापित किये गए हैं। प्रखंड कार्यालय के जलमीनार में दशकों से पानी नहीं चढ़ता, जिससे सीधे मोटर से जलापूर्ति होती है। वहीं अन्य दो जलमीनार की क्या स्थिति है, उसकी भी जांच होगी। शहर में कई ऐसे बोरिंग गलाए गए हैं, उसकी क्या स्थिति है, उसका भी सर्वे कराया जाएगा। मालूम हो कि पीएचईडी विभाग के मुख्य अभियंता को सरकार ने सारे कार्यों को नगर परिषद को हैंडओवर करने को आदेश दिया है। उसी आदेश के आलोक में पीएचईडी के जेई नप कार्यालय पहुंचे हुए थे।

खबरें फटाफट

उचक्कों ने रिटायर्ड फौजी से झपट लिए 60 हजार

बक्सर। बक्सर में सक्रिय उचक्कों ने एक रिटायर्ड फौजी के बाइक की डिग्गी से पलक झपकते ही 60 हजार रूपए उड़ा लिए। यह घटना बुधवार की दोपहर नगर थाना क्षेत्र के यमुना चौक जैसे व्यस्त इलाके में घटित हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही नगर थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस आस पास के दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। पीड़ित औद्योगिक थाना क्षेत्र के जगदरा गांव निवासी श्रीमन नारायण पांडेय ने पुलिस को दिए आवेदन में जिक्र किया है कि वे बुधवार को मुनीम चौक स्थित इंडियन बैंक से 60 हजार रूपए निकाले थे। जिसे बाइक की डिग्गी में रख दिए थे। यमुना चौक के पास कुछ जरूरी काम से उन्होंने अपनी बाइक रोकी, इसी दौरान उचक्कों ने बड़ी सफाई से डिग्गी में रखे रूपए उड़ा लिया। थोड़ी देर बाद जब रिटायर्ड फौजी का ध्यान डिग्गी की तरफ गया तो उनके होश उड़ गए। जाहिर है, उनके रूपए गायब हो गए थे।
इसके बाद पीड़ित ने तत्काल इसकी सूचना नगर थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

डीएम ने मकान निर्माण पूरा करने वाले लाभुकों को दी प्रतीकात्मक चाबी

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत शीघ्र पूरा करें लक्ष्य: जिलाधिकारी

♦ वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवास के प्रथम किश्त का भी किया गया भुगतान

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में बुधवार को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य के विरुद्ध आवास स्वीकृति, एक मुश्त प्रथम किश्त भुगतान एवं आवास निर्माण पूर्ण किए गए आवासों में गृह प्रवेश के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किया गया था।

डीएम ने 25 लाभुकों को दिया प्रतीकात्मक चाबी : डीएम ने बताया कि कुल लक्ष्य 9644 के विरूद्ध कुल 7941 लाभुकों को स्वीकृति एवं 6228 योग्य लाभुकों को प्रथम किश्त की सहायता राशि सिंगल क्लीक के माध्यम से लाभुकों के खाते में हस्तांतरण किया गया। जिला स्तर के कार्यक्रम में प्रत्येक प्रखण्ड से एक-एक लाभुक को स्वीकृति पत्र एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभुकों द्वारा निर्माण किये गए आवास के गृह प्रवेश हेतु प्रतीकात्मक चाबी का वितरण जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। विदित हो कि पूर्व में भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित कर के माह सितम्बर 2024 में कुल 3760 लाभुकों को स्वीकृति एवं 3592 योग्य लाभुकों को प्रथम किश्त की सहायता राशि सिंगल क्लीक के माध्यम से लाभुकों के खाते में हस्तांतरण किये जाने का कार्यक्रम किया गया था।

ग्रामीण आवास योजना के लक्ष्य के करीब पहुंचा बक्सर : डीएम ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला को प्राप्त कुल लक्ष्य 13672 के विरूद्ध कुल 11701 लाभुकों की स्वीकृति एवं 9820 योग्य लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि का भुगतान किया गया है।

प्रथम किश्त पाने वालों दी गई जानकारी : इस दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रथम किश्त की राशि पाने वाले लाभुकों को डीएम ने कहा कि आप इस राशि से मानक के अनुरूप आवास का निर्माण कराए। डीएम ने कहा कि प्रथम किश्त के बाद निर्धारित मानक तक आवास निर्माण का काम पूरा होने के बाद ही द्वितीय किश्त की राशि दी जाएगी। वहीं, इस राशि से मकान निर्माण नहीं करवाने वाले लाभुकों को द्वितीय किश्त की राशि होल्ड कर दी जाएगी तथा राशि की रिकवरी भी कराई जाएगी।

पारदर्शी तरीके से करें लाभुकों का चयन : जिलाधिकारी ने कहा कि आवास योजना का लाभ पाने वाले लाभुकों का चयन पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में ऐसे लोग मौजूद है जिनके पास जमीन नहीं है या कुछ जमीन है भी तो आर्थिक तंगी के कारण वे इस पर आवास नहीं बनवा पाते है। ऐसे लोगों के लिए सरकार पीएम आवास योजना चलाई जा रही है, जबकि भूमिहीनो के लिए बिहार सरकार अभियान बसेरा योजना चला रही है। इसके तहत पंचायतों में भूमिहीनों को चयनित कर उन्हें बासगीत पर्चा दिया जाता है। जबकि आवास निर्माण के लिए पीएम शहरी व ग्रामीण आवास योजनाएं सांचालित हो रही है। उन्होंने मातहतों से पारर्शी तरीके से लाभुकों का चयन करने की बात कही।

758 लाभुकों के खाते में भेजी गई आवास योजना के प्रथम किश्त की राशि

डुमरांव। बुधवार को डुमरांव प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में चिन्हित किए गए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के 758 लाभुकों के खाते में प्रथम किश्त की राशि के तहत 40 हजार रूपया भेजा गया। इस संबंध में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि सभी लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि मिलने के बाद आवास योजना का निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया है। बीडीओ ने बताया कि अभी प्रखंड में 396 प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना निमार्णाधीन है। जिन्हें जरूरत के अनुरूप प्रथम द्वितीय तृतीय किस्त की राशि दे दी गई है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर और मानक के अनुरूप काम करने वाले लाभुकों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम किश्त राशि प्राप्त होने के बाद प्रखंड विकासपदाधिकारी ने सभी ग्रामीण आवास सहायक को लगातार योजना का निगरानी करने तथा तेजी के साथ कार्य निष्पादित करने का निर्देश दिया है। ताकि आवास योजना में पहले से ही बेहतर स्थान रखने वाला डुमरांव प्रखंड भविष्य में भी बेहतर मुकाम हासिल कर सके।

हनुमान मंदिर में आयोजित हुआ भजन-कीर्तन, भक्तिमय बना माहौल

केटी न्यूज/केसठ

सोन नहर अवर प्रमंडल सिद्धिपुर कार्यालय के शामिल स्थित नव स्थापित हनुमत मंदिर में मंगलवार की रात हनुमान चालीसा पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। ग्राम की कीर्तन मंडली ने देर रात तक बजरंगबली के भजन और संकीर्तन प्रस्तुत किए। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।इस आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह दिखा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से हनुमान जी की आराधना की। जय श्री राम और बजरंगबली की जय के जयघोष गूंजे।12 घंटे के अखंड हरि कीर्तन से पूरा वातावण भक्तिमय बना हुआ था। कीर्तन मंडलियों ने भिन्न-भिन्न प्रकार के स्वरों से हरे रामा.. हरे कृष्ण का गुणगान किया। इसी कड़ी में इस आयोजन को लेकर सोन नहर अवर प्रमंडल सिद्धिपुर के कनीय अभियंता पप्पू कुमार ने भव्य भंडारण का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि इस आधुनिकता के दौर में लोग अपने संस्कृतिकों को भूलते जा रहे हैं। हमें अपनी पुरानी परंपराओं को जागृत रखने की आवश्यकता है। उन्होंने सैकड़ो श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य राजू यादव सहित सैकड़ो लोग कार्यक्रम में उपस्थित होकर भक्ति का रसपान किया।

बलिया-डुमरांव-डिहरी रेलवे लाइन निर्माण को ले अधिकारियों की हुई वर्चुअल बैठक

केटी न्यूज/डुमरांव

दशकों से बलिया-डुमरांव-डिहरी रेल लाइन मांग की जा रही है। इसके लिये रेल लाइन समिति के संस्थापक सह महासचिव उमेश कुमार गुप्ता करते आ रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने पटना, दिल्ली व कोलकता तक रेलवे अधिकारियों तक दौड़ लगाते आ रहे हैं। आगे के कार्यक्रम के लिये उन्होंने बताया कि इस रेल लाइन के निर्माण कराने के लिए संघर्ष समिति 19 वर्षों से लगातार मांग करती आ रही ही, जिस पर रेल मंत्रालय ने अपनी आंखें बंद कर सो रही है। मंत्रालय अगर इसी तरह सोती रही तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्रीय लोगों का हस्ताक्षर अभियान शीघ्र चलाया जायेगा।

इस संबंध में समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार उर्फ रमेश गुप्ता ने कहा कि इस कार्य को करवाने हेतु बक्सर लोकसभा के उम्मीदवार माननीय मिथिलेश तिवारी जी से मुलाकात किया जाएगा। इसके बाद इस पर तत्परता दिखाते हुए दूसरे ही दिन पटना बीजेपी कार्यालय पटना पहुंच उनसे मिल कर इस बात से अवगत कराया। साथ ही इस रेल परियोजना की जानकारी देते हुए मांग पत्र सौंपा। श्री तिवारी ने मांग की सराहना की और कहा कि इस माँग को मैं पूरा करवाने के लिये हर कदम उठाउंगा। यह माँग तो दशकों पहले पूरा हो जाना चाहिए था। आगे कहा कि यह रेल लाइन तो बहुत जरूरी मार्ग है इससे पूरे देश की जनता को लाभ होगा ही साथ ही साथ रेल मंत्रालय को भारी राजस्व की भी प्राप्ती होगी। वर्चुअल बैठक में उपस्थित रहे अध्यक्ष अरविंद कुमार उर्फ रमेश गुप्ता, महासचिव उमेश कुमार गुप्ता, सचिव अधिवक्ता सुनील तिवारी, भारत सोनार, अमर नाथ मिश्रा, विकास कुमार, कमलेश, गुप्ता, रोहित राय, डॉ. पवन गुप्ता, कृष्ण कांत त्रिपाठी, मोहन जायसवाल, सुदर्शन पासवान, विमलेश सिंह व अन्य मौजूद रहे।

वीकेएस कृषि कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण में मोटे अनाज के पैदवार बढ़ाने पर दिया जोर

मोटे अनाज आपके शरीर को तंदुरुस्त रखने में काफी सहायक: कृषि वैज्ञानिक

♦ स्थिरता एवं पोषण सुरक्षा के लिये किसानों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

मोटे अनाजों का पैदवार बढ़ाने के लिये वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय में किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को शुरू हुआ। स्थिरता एवं पोषण सुरक्षा हेतु श्री अन्न के तहत प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कॉलेज के वैज्ञानिकों को मोटे अनाज का पैदवार बढ़ाने पर जोर दिया। इस दौरान मोटे अनाज के पैदवार बढ़ाने से देश को काफी फायदा मिलेगा। इतना ही नहीं हमारा देश विदेशों को भी इस अनाज से होने वाले प्रोडक्ट को बेच सकता है। साथ ही किसानों को भी इससे काफी लाभ पहुंचेगी।

किसानों को बताया गया की मोटे अनाज शरीर को तंदुरूस्त रखने में काफी सहायक होते हैं। इतना ही नहीं इन मोटे आनाजों का मेडिसीन बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। मोटे अनाजों में मकई, ज्वार, बाजारा, महुआ दाना सहित अन्य भी अनाज भी आते हैं। किसानों को बताया गया कि आपका परिवार इस मोटे अनाज का खाने में प्रतिदिन इस्तेमाल करता है तो पहला तो बीमारी से दूर रहेगा, दूसरा शरीर को शक्ति मिलेगी। जब परिवार स्वस्थ्य रहेगा तो आप भी निश्चिंत होकर आगे की सोंच रखेंगे। बाल-बच्चों की बुद्धि विकसित होगी और खेलकूद, पढ़ाई में मन लगेगा। भोजपुर जिला में मोटे अनाज की पैदवार काफी होती थी, जो आज घट गई है। हमारा दियरांचल क्षेत्र मोटे आनाजों के पैदवार में अव्व्ल रहा है, जो वर्तमान से समय में धीरे-धीरे कम होने लगा है। इसका पैदवार किसान यदि बढ़ाता है तो दवा बनाने वाली कंपनियों से लेकर घरेलू उपयोग की समाग्री बनाने वाली देशी और विदेशी कंपनियों का झुकाव इस तरफ होगा, जिससे किसानों का काफी फायदा मिलेगी।

प्रदेश में सिर्फ 6.8 प्रतिशत आदिवासी परिवारों के पास अस्थायी नौकरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में बड़ी संख्या में आदिवासियों की आबादी निवास करती है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक राज्य की कुल जनसंख्या का 26.2 प्रतिशत जनजातीय समुदाय है। हालांकि यह भी एक विडंबना है कि आदिवासियों की हिस्सेदारी सरकारी और स्थायी नौकरियों में नगण्य है।वास्तविकता यह है कि सिर्फ 6.8 प्रतिशत आदिवासी परिवारों के पास अस्थायी नौकरी है।

सरकारी नौकरियों में तो इनकी भागीदारी सिर्फ 3.49 प्रतिशत है। इनकी आजीविका मुख्य तौर पर अस्थायी काम और कृषि पर निर्भर है। इसके मुकाबले अनुसूचित जाति की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

अनुसूचित जाति परिवारों में 8.2 प्रतिशत के पास स्थायी नौकरी है, जबकि सरकारी नौकरियों में 5.08 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय के लोग कार्यरत हैं। राज्य सरकार की ताजा आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में इससे संबंधित खुलासा किया गया है। सर्वेक्षण के मुताबिक आदिवासियों में सर्वाधिक 31.86 प्रतिशत संथाल जनजाति है। उसके बाद उरांव 19.85 प्रतिशत, मुंडा 14.21 प्रतिशत, और हो जनजाति 10.73 प्रतिशत है। राज्य में नौ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) हैं, जिसमें असुर, बिरहोर, माल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया प्रमुख तौर पर शामिल हैं। यह समुदाय अत्यधिक सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी परिवारों का प्रतिशत 29 फीसद है, जो राष्ट्रीय औसत 11 प्रतिशत और पूर्वी क्षेत्र के औसत 10 प्रतिशत से अधिक है। खूंटी में 75 प्रतिशत, सिमडेगा में 67 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 62 प्रतिशत और लोहरदगा जिले में 61 प्रतिशत आदिवासी हैं। जबकि कोडरमा में सिर्फ एक प्रतिशत और पलामू में नौ प्रतिशत इनकी आबादी है।

राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान है। गरीबी, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कम पहुंच और बुनियादी सेवाओं की सीमित पहुंच से वे चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में इनके उत्थान के लिए सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण पर केंद्रित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं आरंभ की है, जिससे हालात तेजी से बदलने के संकेत हैं।

छात्रवृति योजनाओं के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने, महिला सशक्तीकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय करने, स्वास्थ्य सेवाओं में आशातीत सुधार लाने और सतत आजीविका के विकास पर ध्यान केंद्रित करने संबंधी पहल से महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। जनजातीय समेत अन्य वंचित समुदाय के लिए सरकार ने शिक्षा में छात्रवृति से लेकर फेलोशिप तक के कार्यक्रम धरातल पर उतारे हैं। टाप-क्लास छात्रवृति योजना से इंजीनियरिंग, मानविकी प्रबंधन और विज्ञान पाठ्यक्रमों से अबतक 304 छात्र लाभ उठा चुके हैं। राष्ट्रीय फेलोशिप योजना के जरिए पीचएडी और एमफिल छात्रों को आर्थिक सहायता दी जाती है। ओवरसीज छात्रवृति योजना के तहत यूके, यूएस और आस्ट्रेलिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता मिलती है। इसका लाभ उठाने के लिए छात्र-छात्राएं आगे आ रहे हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को सब्सिडी वाले खाद्यान्न के लिए पीवीटीजी डाकिया योजना के तहत खाद्य सुरक्षा। गुमला में रागी (फिंगरमिलेट) की खेती में 219 प्रतिशत की वृद्धि को रागी क्रांति कहा जा रहा है। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पोषण एवं आय में सुधार हुआ। बिरसा आवास निर्माण योजना से आर्थिक रूप से कमजोर जनजातियों को गुणवत्तापूर्ण आवास और अबुआ आवास योजना के तहत आठ लाख घरों के निर्माण का लक्ष्य, प्रत्येक लाभार्थी को दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता।

ब्लाक स्तरीय ग्रामीण कौशल अधिग्रहण संस्थान (बिरसा) के तहत 24 जिलों के 80 प्रखंडों में स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम। मुख्यमंत्री सारथी योजना के जरिए युवाओं को रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण में सहायता। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से वंचित समुदायों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय मदद।

संक्षिप्त समाचार

आपसी संघर्ष में दो हाथियों की मौत, विभाग ने शुरू की हाथियों के कॉरिडोर पर निगरानी

पलामू, एजेंसी। हाथियों का प्रजनन काल शुरू हो गया है. इस काल में हाथी हिंसक हो जाते हैं और हाथियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो जाती है. झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में पिछले 20 दिनों में हाथियों के आपसी संघर्ष में दो हाथी की मौत हुई है. 16 फरवरी को पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में हाथियों का एक ग्रुप आपस में भिड़ गया था. इस संघर्ष में एक हाथी की मौत हो गई थी. शनिवार को पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क के इलाके में हाथियों का आपसी संघर्ष हुआ था. इस संघर्ष में एक हाथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. दो दिनों तक इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई थी. दोनों हाथी की मौत के बाद विभाग के अधिकारियों ने हाथियों के हिंसक होने के पीछे के कारण का पता लगाया. जिसमें पाया गया कि प्रजनन काल शुरू होने से हाथी हिंसक हुए हैं. हालांकि पलामू टाइगर रिजर्व के हाथी बेहद कम हिंसक होते हैं. वर्ष में एक बार हाथियों का प्रजनन काल होता है. इस दौरान उनकी आंखों और सिर के पास से गीला पदार्थ निकलता है. जिससे यह पता चलता है कि उनका प्रजनन काल शुरू हुआ है. दोनों हाथियों की मौत प्रजनन काल के दौरान आपसी संघर्ष में हुई है. हाथियों के प्रजनन को लेकर विभाग अलर्ट पर है. वही हाथी का यह प्राकृतिक दौर है. इस दौरान हाथियों का कभी-कभी हिंसक स्वरूप देखने का मिलता है.÷ -प्रजेशकांत जेना, उप निदेशक, पीटीआर झारखंड में हाथियों के कई कॉरिडोर हैं. पलामू टाइगर रिजर्व और दलमा के इलाके में सबसे अधिक हाथियों की संख्या है. पलामू टाइगर रिजर्व में 180 से 200 के बीच हाथियों की संख्या है. वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की एक टीम ने पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में कैंप कर हाथियों के व्यवहार का आकलन किया है. वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट हाथियों के व्यवहार के आकलन से जुड़ी सर्वे रिपोर्ट जारी करेगी. दरअसल, पीटीआर के हाथी बेहद ही कम हिंसक होते हैं और इनका एक ही दांत होता है. पीटीआर में मौजूद हाथी कहां के हैं इसका भी जेनेटिकल आकलन किया गया है.

रांची में बार और रेस्टोरेंट मालिकों को मिली राहत, हाईकोर्ट ने नगर निगम के ऑर्डर पर लगाई रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट से शहर के दो रूफ टाप बार और रेस्टोरेंट संचालकों को बड़ी राहत मिली है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ में ग्रीका किचन एवं बार और प्राना लाउंज की याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची नगर निगम के आदेश पर रोक लगाई दी है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि

इनसे लोगों को रोजगार और सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो रही है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि रांची नगर निगम का आदेश समानता के अधिकार और व्यवसाय करने की स्वतंत्र का उल्लंघन है। नगर निगम ने दोनों पर अवैध निर्माण का आरोप लगाकर रूफ टाप बार एंड रेस्टोरेंट बंद करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ इनकी ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि दोनों बार एवं रेस्टोरेंट जिस भवन में चल रहे हैं, उसका नक्शा रांची नगर निगम से स्वीकृत है। रूफ टाप पर केवल बार एवं रेस्टोरेंट संचालित है। जहां कुर्सी टेबल के अलावा अस्थाई संरचना बनाई गई है। इसका किचन और स्टोर स्वीकृत नक्शा के अंदर संचालित है। दोनों रेस्टोरेंट अग्निशमन सुरक्षा के मापदंड को पूरा कर रहे हैं। विभाग से भी इन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है। फूड सेफ्टी लाइसेंस, बार लाइसेंस आदि भी सक्षम पदाधिकारी से प्राप्त है। रांची नगर निगम के पास रूफ टाप बार एवं रेस्टोरेंट के संचालन को लेकर कोई नियमावली नहीं है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मिलेगी मुफ्त कोचिंग, बिरसा कॉलेज में बनेगा सेंटर

खूंटी, एजेंसी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे ग्रेजुएट आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है. आदिवासी कल्याण विभाग ने उन छात्रों की मदद करने का फैसला लिया है जो प्रतिभा के बावजूद अच्छी कोचिंग से वंचित रह जाते हैं. आदिवासी कल्याण विभाग ऐसे छात्रों के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था करने जा रहा है. अब खूंटी में 100 आदिवासी छात्रों को कोचिंग की सुविधा दी जाएगी. नई पहल के तहत बिरसा कॉलेज में कोचिंग संचालित की जाएगी.

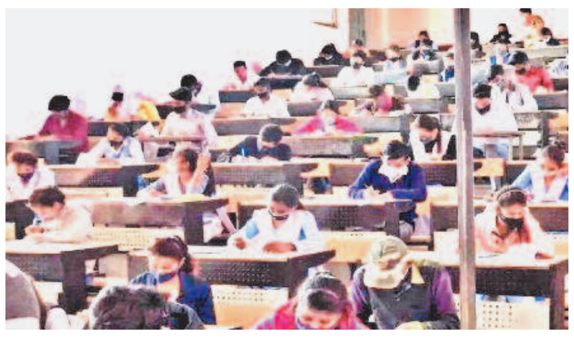

संपूर्ण शिक्षा कवच के नाम से जिला प्रशासन कमजोर आय वाले छात्रों को फ्री में नीट और जेईई की तैयारी करा रहा है. यहां हर साल दर्जनों छात्र क्वालीफाई कर रहे हैं और बड़े संस्थाओं में दाखिला ले रहे हैं. इस बीच कल्याण विभाग गरीब छात्रों को निःशुल्क कोचिंग की सुविधा मुहैया कराने जा रहा है. जल्द ही बिरसा कॉलेज में इसकी शुरुआत होने जा रही है.

कल्याण विभाग ने इसके लिए पूरी तैयारी शुरू कर दी है. उद्देश्य है कि ग्रेजुएशन के बाद गरीब परिवार के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाते हैं और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी नहीं कर पाने के कारण वह रोजगार से वंचित रह जाते हैं, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है.

खास उपहार: सीएम को मिला बूढ़ापहाड़ का सरसों तेल, हर्बल धूप और हेनार मधु

पलामू, एजेंसी। जिले के बूढ़ापहाड़ के इलाके में तैयार सरसों का तेल, नक्सलियों के गढ़ से निकला मधु और हर्बल धूप को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन और मंत्री को दिया गया है. झारखंड बजट से पहले राज्य के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यह पहल की है ताकि वन्य जीव के संरक्षण एवं कुटीर उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके. पलामू टाइगर रिजर्व के तरफ से राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्री को बजट से पहले एक किट दिया गया है. इस किट में बूढ़ा पहाड़ के इलाके में तैयार कोयल सरसों तेल, प्राकृतिक हेनार हनी, यूकेलिप्टस, नीम, तुलसी, कपूर, गाय के गोबर से बना हर्बल धूप दिया गया है. बजट से पहले यह अनोखी उपहार पहली बार दी गई है. पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि जन भागीदारी के तहत यह किट सभी को दिया गया है. उन्होंने बताया कि कोयल ब्रांड के नाम से सरसों तेल को मंडल में तैयार किया गया है. प्राकृतिक उत्पादन से जुड़े हुए किट सभी को दिए गए. इस दौरान पलामू टाइगर रिजर्व से जुड़े उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी गई. वित्त मंत्री की ओर से यह इनोवेटिव आइडिया दिया गया था. साथ ही राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को बाघ का हैंपर मॉडल भी दिया गया. राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को पलामू टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के संरक्षण और उससे जुड़े योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई है. ईको डेवलपमेंट समिति के माध्यम से सभी प्राकृतिक उत्पादों को तैयार किया जा रहा है।

गढ़वा में बंद पड़े बायोगैस प्लांट को चालू करने की उठी मांग, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था उद्घाटन

गढ़वा, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा 2 गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन होने के बावजूद लाभुकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. पेयजल स्वच्छता विभाग की ओर से गढ़वा के दो प्रखंडों में गोबर धन योजना के तहत 50 लाख की लागत से 2 गोबर गैस प्लांट का निर्माण कराया गया था. लेकिन कुछ ही दिन चलने के बाद लाभुक इसके लाभ से वंचित हो गए. हालांकि विभाग इसे फिर से संचालित करने की बात कर रहा है.

ग्रामीणों को नहीं खरीदना पड़ रहा था एलपीजी सिलेंडर: दुर्भाग्य की बात यह है कि इतनी अच्छी योजना की ओर किसी का ध्यान नहीं गया. हालांकि योजना के शुरू होने के बाद यह योजना 15 दिनों तक स्थानीय लोगों को लाभ पहुंचाती रही. ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना से उन्हें लाभ मिल रहा था. उन्हें महंगे दामों पर एलपीजी सिलेंडर नहीं खरीदना पड़ रहा था. लेकिन योजना के बंद होते ही उन्हें सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है. वहीं, कुछ ग्रामीण ठप हुई योजना के लिए प्रशासन के अधिकारियों को जिम्मेदार मान रहे हैं.

गोबर की उपलब्धता कम के कारण बंद करना पड़ा प्लांट: कार्यापालक अभियंता: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यापालक अभियंता अभय कुमार सिंह इस योजना के बारे में कहते हैं कि जिस-जिस जगह इस योजना को लागू किया गया था, वहां गाय की संख्या ज्यादा थी, मकसद एक ही था कि हर दिन गोबर की उपलब्धता रहेगी तो प्लांट भी सुचारू रुप से चलेगा लेकिन पशु मालिकों ने पशु को ही बेच दिया है, जिसके चलते इस प्लांट को गोबर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है. जिसकी वजह से इसे बंद करना पड़ा लेकिन इसे फिर से संचालित करने की कोशिश की जा रही है.

आधुनिक वैज्ञानिक विधि से निर्मित है प्लांट: गोबर धन योजना एक ऐसी योजना है जो गोबर से गैस बनाती है और इसे घरों तक पहुंचाने का काम करती है. इसके घरों में पहुंचने से लोगों को एलपीजी गैस की जरूरत नहीं पड़ती है. इसलिए इस प्लांट को वैज्ञानिक विधि से बनाया गया है. जिसमें गांव के 20 से 25 ग्रामीण परिवारों को इसका सीधा लाभ पहुंचता है. ग्रामीण गोबर को इकट्ठा करके प्लांट में जमा कर देते हैं. जिसके बाद उसे रिसाइकल करके उसे बड़े ड्राम में डाला जाता है. जिसके बाद सूरज की किरणों से गैस का रूप लेता है और इसी गैस को गांव में बने समूह के घरों को कनेक्शन के माध्यम सप्लाई की जाती है और यही गैस खत्म होने के बाद खाद्य का रूप ले लेती है. जिसका किसान इसका उपयोग खेतों में खाद्य के लिए कर लेते हैं.

सदन में गूंजा सरकारी कोल कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ बकाया का मामला, विधायक सरयू राय के सवाल पर खींचतान

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश होने से पूर्व प्रश्नकाल के दौरान विधायक सरयू राय के सवाल पर खूब खींचतान होती दिखी. सरयू राय ने सरकार से पूछा था कि अगर राज्य सरकार का कोयला कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ बकाया है तो क्या राशि का मदवार प्रतिवेदन केंद्र सरकार को भेजा गया है. उन्होंने यह भी पूछा कि क्या वित्त विभाग बकाया राशि पर ब्याज मांग रहा है. इसपर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद के जवाब पर पूरक प्रश्न पूछे जाने पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर को हस्तक्षेप करना पड़ा. प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारत सरकार की कोयला कंपनियों पर अलग-अलग मद में कुल 1,36,042 करोड़ रुपये 2022 तक का बकाया है. बकाया राशि की वसूली के लिए सीएम और मुख्य सचिव के स्तर पर 26 जून 2020, 2 मार्च 2022, 11 अप्रैल 2022, 23 जनवरी 2023 और 23 सितंबर 2024 को कोयला मंत्रालय के सचिव, मंत्री प्रल्हाद जोशी और पीएम को अर्द्धसरकारी पत्र निर्गत कर अनुरोध किया जा चुका है. उन्होंने बकाया राशि के ब्रेकअप के तौर पर बताया कि जमीन अधिग्रहण के बकाया मद में 1,01,142 करोड़, कॉमन कॉज मद में 32,000 करोड़ और वास्ड कोल मद में 2,900 करोड़ बकाया है. जमीन अधिग्रहण का मामला राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित है. इस पर विधायक सरयू राय ने कहा कि मुख्य सचिव के 22 मार्च 2022 को केंद्र को भेजे गए पत्र के मुताबिक 2009 तक के बकाया का जिक्र है. इसके तहत 41,142 करोड़ को मूलधन के रूप में दिखाया गया है जबकि 60 हजार करोड़ से ज्यादा राशि सूद के तौर पर जोड़ी गई है. इस पर वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ब्याज वसूलने की हकदार है. गरमा गरम बहस के बीच प्रभारी मंत्री ने कहा कि कोल कंपनियों द्वारा कोल ट्रिब्यूनल में पुनरीक्षण वाद दायर किया गया है. ट्रिब्यूनल के पारित आदेश के आलोक में सुनवाई के लिए 1 मार्च 2025 को राज्य सरकार ने एक कमेटी का गठन किया है. इसपर भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि इससे साबित हो गया कि सरकार अब तक राजनीति कर रही थी. क्योंकि कमेटी का गठन तो सरयू राय द्वारा सवाल डाले जाने के बाद हुई है. वहीं सरयू राय ने कहा कि कमेटी बनाना राजनीतिक निर्णय है. यह वैधानिक नहीं हो सकता.इससे साफ है कि राज्य सरकार बकाया वसूली को राजनीतिक मुद्दा बना रही है।

चतरा के बड़कीटांड़ गांव के लोग आज भी नदी और तालाब का दूषित पानी पीने को विवश

चतरा, एजेंसी। जिले की कबरा पंचायत के बड़कीटांड़ गांव में आजादी के 77 वर्ष बाद भी पेयजल की सुविधा नहीं है. लिहाजा गांव के ग्रामीण नदी, तालाब और कुएं का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. जिला मुख्यालय से तकरीबन 42 किलोमीटर और प्रखंड मुख्यालय से तकरीबन 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कबरा पंचायत के बड़कीटांड गांव की आबादी लगभग 150 है. गांव में दलित समुदाय के लोग निवास करते हैं.

एक मात्र चापानल दो साल से खराब: गांव में वर्षों पहले पेयजल की व्यवस्था के लिए एक चापानल लगवाया गया था, लेकिन चापानल पिछले एक-दो वर्षों से खराब पड़ा है. इस कारण गांव के ग्रामीण नदी, कुएं और तालाब का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. सुबह से ही नदी और तालाबों के पास पानी भरने के लिए गांव की महिलाओं की भीड़ लग जाती है. महिलाएं सिर पर पानी ढोकर लाती हैं.

ग्रामीणों की सुनाई पीड़ा: गांव की महिलाओं ने बताया कि सरकार और प्रशासन ने पेयजल की सुविधा मुहैया कराने के लिए अब तक कोई पहल नहीं की है. गांव के लोग नदी और तालाबों का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. दूषित पानी पीने के कारण गांव में आए दिन लोग बीमार हो जाते हैं. साथ ही पानी ढोने में भी परेशानी होती है. चुनाव के समय जनप्रतिनिधि समस्या का समाधान कराने का वादा करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद कोई झांकने तक नहीं आता है. आपको बता दें कि कबरा पंचायत और गांव के चंद किलोमीटर की दूरी पर सीसीएल के द्वारा रेलवे साइडिंग संचालित किया जाता है. साथ ही पास में ही कई कोल परियोजनाएं भी चल रही हैं, लेकिन बड़कीटांड़ गांव की समस्या पर किसी ने ध्यान नहीं दिया. केन्द्र और राज्य सरकार हर महीने करोड़ों और अरबों रुपये का मुनाफा कमा रही है.

प्रशासन पर लगाया उपेक्षा का आरोप

गांव की महिलाएं बताती हैं कि पंचायत में रेलवे साइडिंग खुलने के बाद मूलभूत सुविधाओं के बहाल होने की आस जगी थी, लेकिन न तो गांव में अब तक मूलभूत सुविधाएं बहाल हो पाई और न ही गांव के बेरोजगार युवाओं को रोजगार नसीब हुआ. लिहाजा मजबूर होकर गांव के ग्रामीण नदी और कुंए का दूषित पानी पीकर अपना गुजारा कर रहे हैं.ग्रामीणों ने बताया कि अब तक जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कोई पहल नहीं की. आज भी यहां के ग्रामीण प्रशासन की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं. टंडवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल उरांव ने कहा कि गांव में व्याप्त समस्या को लेकर पंचायत सचिव को जांच के लिए भेजा जाएगा और समस्या का समाधान कराया जाएगा. बहरहाल, अब देखना होगा कि बड़कीटांड़ गांव में व्याप्त पेयजल की समस्या पर जिला प्रशासन की नजर कब तक पड़ती है और कब तक यहां के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब हो पाता है.

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 06 मार्च 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।

- स्वामी भजनानंद

शेयर बाजार की गिरावट रोकने सेबी पर भरोसा जगाना होगा

5 महीने से ज्यादा हो गए, शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से शेयर बाजार का फुग्गा फुलाया गया था, पिछले 5 महीने में तेजी के साथ उसकी हवा निकल रही है। शेयर बाजार में अभी तक निवेशकों को 95 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से बाहर निकलना शुरू किया। अब देसी निवेशक भी बड़ी संख्या में शेयर बाजार से शेयर बेचकर बाहर निकल रहे हैं। छोटे-छोटे देसी निवेशकों का मोह भी बुरी तरह से भंग हुआ है। शेयर बाजार को लेकर पहली बार निवेशकों में यह धारणा बनी है। संगठित रूप से उनके साथ लूट की जा रही है। जब हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय भारतीय शेयर बाजार की गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। सेबी ने उसको संज्ञान में नहीं लिया। शार्ट सेलिंग के जरिए कैसे शेयर के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा जिस तरह की धोखाधड़ी शेयर बाजार में की जा रही थी। इसका खुलासा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुआ था। शॉर्ट सेलिंग के लिए अवैध रूप से विदेशी कंपनियों का धन शेयर बाजार में अवैधानिक रूप से लगाया गया था। इसका खुलासा होने के बाद सेबी ने कोई जांच नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच में लीपापोती करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिसके कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से उठने लगा। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लाभ पर जिस तरीके से लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की वसूली की जा रही है, उसने भी निवेशकों का आकर्षण भारतीय शेयर बाजार से कम कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों पर टैक्स लगता है। कई देशों में इस तरह का टैक्स नहीं है। जिसके कारण कैपिटल गैन के कारण विदेशी निवेशकों का पलायन भारतीय शेयर बाजार से अन्य देशों के शेयर बाजार में निवेश होना शुरू हो गया है। पिछले 5 महीने में विदेशी निवेशकों ने 3 लाख करोड रुपए की बिकवाली की है, जिसके कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 15 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। कंसल्टेंसी और एकाउंटिंग से जुड़े अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्सेशन के कारण विदेशी निवेशकों का मोह भारतीय शेयर बाजार से भंग हो गया है। देसी निवेशक भी कैपिटल गेन टैक्स की वसूली से नाराज हैं। भारतीय निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकालकर सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बाजार में लगातार बिकवाली और गिरावट देखने को मिल रही है। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को विदेशी निवेशकों से कैपिटल गेन टैक्स की वसूली का प्रावधान तुरंत समाप्त करना चाहिए। 2024 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कैपिटल गेन टैक्स की दर ढाई फीसदी से लेकर 5 फीसदी तक बढ़ा दिया गया था। बाजार नियामक संस्था सेबी की कार्यप्रणाली पर निवेशकों का भरोसा खत्म हो गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर बड़े गंभीर आरोप हैं। वह जेपीसी के सामने प्रस्तुत नहीं हुई। केंद्र सरकार के संरक्षण और आरोपों की जांच नहीं होने से निवेशकों का विश्वास शेयर बाजार मे नही रहा। हाल ही में वित्तीय संस्थाओं द्वारा शेयर बाजार की गिरावट रोकने के लिए निवेश किया गया। वह बाजार में कुछ ही घंटे के अंदर बाहर निकल गया। निवेशकों के बीच बाजार से निकलने की होड़ लगी हुई है। शेयर बाजार से जुड़े निष्पक्ष अर्थशास्त्रियों का कहना है, सरकार को सेबी की कार्य प्रणाली को पारदर्शी बनाना होगा। सेबी के अधिकारियों को सजग और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार को हवा भरकर फुलाया जा रहा था। सेबी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी थी। सेबी ने आम निवेशकों के हित में काम नहीं किया। सरकार जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है, जिसके कारण निवेशकों को शेयर बाजार में भरोसा नहीं रहा।

चिंतन-मनन

इस तरह के भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं। प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत+चित+आनंद। संस्कृत में सत का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दुःख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दुःख नहीं चाहता। अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं।

कुंभ समाप्त, अब चार धाम यात्रा की तैयारी कीजिए

-अशोक मधुप

कुंभ यात्रा लगभाग बीत गई । इसके बाद 30 अप्रेल से चार धाम यात्रा शुरू हो जाएगी।श्रद्धालुओं का जो काफिला कुंभ में दिखाई दिया ,ऐसा ही कमोबेश चार धाम यात्रा में नजर आने की आशा है ।कुंभ के सफल आयोजन की जिम्मेदारी जहां उत्तर प्रदेश सरकार और वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की थी।ऐसी ही जिम्मेदारी चार धाम यात्रा में उत्तरांचल की सरकार और यहां के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की होगी।पुष्कर सिंह धामी इस श्रद्धालुओं के रेले को किस तरह नियंत्रित करते हैं। इस यात्रा की किस तरह तैयारी करते है। इसकी योग्यता उन्हें प्रदर्शित करने का अवसर आ रहा है। हालाकि उत्तरांचल में भाजपा की सरकार है।केंद्र उन्हें इस आयोजन में पूरी मदद करेगा ,हर संभव मदद करेगा, किंतु श्रद्धालुओं के रेले को तो उत्तरांचल सरकार को ही संभालना होगा।26 फरवरी को महाकुंभ का अंतिम स्नान था। शिवरात्रि तक 66 करोड 21 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके। अभी ये चलेगा।एक तरह से फरवरी के बाद भी कुछ समय ये चलेगा। आयोजन की समाप्ति तक एक अनुमान के अनुसार कुंभ स्नान करने वालों की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी।

देश में दशकों के बाद सनातन ने करवट ली है । वह अपने आस्था स्थलों की ओर बेतहाशा दौड़ रहा है।राम मंदिर के निर्मित होते ही सनातन का ऐसा उदय हुआ जैसा कभी 1000 वर्ष पहले हुआ करता होगा । कुंभ आने का प्रचार पहली बार भारत से बाहर निकल दुनिया के तमाम देशों के टीवी चैनल्स तक पंहुच गया । अनेक देशों की सरकारों को निमंत्रण पत्र देने भारत के राजदूत गए ।परिणाम स्वरूप, 60 करोड 21 लाख श्रद्धालु शिवरात्रि तक कुंभ स्नान चुके हैं । काशी ऋअयोध्या- चित्रकूट में जगह खाली नहीं थी । लोगों का जिस तरह प्रयागराज जाना लगातार चल रहा है उसे देखते हुए साफ हो जाता है कि कुंभ समापन तक 70 करोड़ श्रद्धालु संगम की डुबकी लगा चुके होंगे । इस रिकॉर्ड की मिसाल पूरी दुनिया में कभी नहीं मिलेगी।

ये महाकुंभ मार्च के प्रारंभ में समाप्त हो जाएगा।इसके बाद शुरू होगी चारधाम यात्रा।चार धाम यात्रा के दो धाम यमुनोत्री और गंगोत्री के पवित्र द्वार तीर्थयात्रियों के लिए अक्षय

तृतीया के पवित्र दिन अर्थात 30 अप्रेल को खुलेंगे।यमुनोत्री और गंगोत्री के खुलने के कुछ ही दिनों बाद, मई के तीसरे या चौथे सप्ताह से अन्य दो मंदिर, केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थयात्रियों से भर जाएँगे। जबकि, श्रद्धालु विजय दशमी के शुभ दिन बद्रीनाथ धाम को विदा करते हैं, उसके बाद दीपों के त्योहार दिवाली पर गंगोत्री धाम को बंद कर दिया जाता है और केदारनाथ और यमुनोत्री धाम एक साथ यम द्वितीया/भाई दूज पर बंद कर दिए जाते हैं।

चूंकि चारधाम यात्रा घड़ी की सुई की दिशा में चलती है, इसलिए पवित्र यात्रा यमुनोत्री से शुरू होती है। उसके बाद क्रमशः गंगोत्री और केदारनाथ से गुजरते हुए चार धाम की पवित्र यात्रा बद्रीनाथ पंहुचती है। इसमें को शक नही कि कुंभ यात्रियों का ये रेला, सनातन धर्म के श्रद्धालु दो माह मार्च और अप्रेल आराम करके अब चार धाम यात्रा की ओर निकलेंगे। उत्तराखंड वासियों के लिए अतिथि भगवान होता है लेकिन यहां ये कुम्भ जैसी भीड़ आई को कैसे संभालेगा, ये समय बताएगा। से उत्तरांचल के बडी चुनौती होगा। श्रद्धालुओं को मुसीबत झेलनी पड़ सकती है। आज भी गर्मी के मौसम में कुछ साल से पहाड़ पूरी तरह पैक हो जाते हैं। लोगों को यहां न होटल में जगह मिलती है, न वाहन पार्किंग को स्थान। यहां का भूगोल, मौसम और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी कई मोर्चे पर चुनौती पेश करती है। 2013 की केदारनाथ की दारुण आपदा को दुनिया देख -सुन चुकी हैं।इस बार उत्तराखंड सरकार और शासन को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतन होगी. चारधाम की यात्रा सबके लिए सुरक्षित और सुखद रहे,ये सरकार की जिम्मेदारी और भीड़ प्रबंधन पर निर्भर करता है।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से शुरू हुआ कुंभ से उपजा सनातन का जोश और आस्था आजकल हिंदू समाज में हिलोरे ले रही है।कुंभ यात्रा के बावजूद इस बार शिवरात्रि पर कांवड़ियों की संख्या पर प्रभाव नहीं पड़ा। कुछ ज्यादा ही रहे। कावंड लाने वालों में इस बार महिलाएं और युवती भी ज्यादा नजर आईं । कांवड़ सेवा शिविर भी पहले से काफी ज्यादा नजर आए।कांवड यात्रा के प्रत्येक सौ कदम पर अबकि बार शिविर लगे थे। उनमें स्त्री -पुरूष मिलकर सेवा कर रहे थे। कांवड यात्रा के मार्ग पर लोग कारों में फल और बिसलरी की पानी की बोलते भरे खड़े थे। वे आने वाले कांवड़ियों को फल और पानी की बोतल बांट रहे थे। लेखक का जनपद हरिद्वार से सटा है। यहां डाक कांवड़ और कलश की बंहगी में जल लाने का प्रचलन नही है, किंतु इस बार डाक कांवड काफी संख्या में दिखाई दी। कुंभ यात्रा और कावंड यात्रा का यह सनातन का रेला आने वाली चार धाम यात्रा में भी दीखने की पूरी उम्मीद है।

उत्तरांचल सरकार को देखना है कि वह आने वाले चार धाम यात्रा के श्रद्धालुओं को कैसे संभालती है। अभी उसके पास यात्रा की तैयारी के लिए दो माह का समय है। मेरठ-पोड़ी नेशनल हाई -वे को फोर लेन करने का काम जारी है।उम्मीद है कि यात्रा की शुरूआत हरिद्वार और ऋषिकेश से कर उसकी वापसी पौड़ी मार्ग से होगी।ऐसा है तो उसे इस मार्ग का तैयार कराने के लिए केंद्र को अभी से दबाव देना होगा।

राम मंदिर पारण प्रतिष्ठा के बाद देशवासी जिस तरह अपने तीर्थों की ओर दौड़ रहे हैं , उम्मीद है ऐसे ही श्रद्धालु चार धाम यात्रा में उमड़ेंगे। वे चार धाम यात्रा के लिए सरकारी साधन बस ,ट्रेन और विमानों से आएंगे तो भारी तादाद में श्रद्धालु अपने वाहन और टैक्सियों से आएंगे।इन वाहनों कार, टैक्सियों और बसों को उत्तरांचल कैसे संभालेगा, उसे देखना है। प्रयागराज से तो इसलिए सब कुछ हो गया कि वहां आयोजन प्लेन में था। उत्तरांचल में तो सब कुछ पहाड़ों में है।

सुरक्षित जीवन के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण है

- संजय गोस्वामी

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, जो हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, कार्यस्थलों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक जीवन के सभी पहलुओं में सुरक्षा के महत्व की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है। 1972 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा शुरू किए गए इस दिन का उद्देश्य दुर्घटनाओं और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा चेतना, प्रतिबद्धता और सक्रिय उपायों की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 के करीब पहुँच रहे हैं, इसके महत्व, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विभिन्न तरीकों पर विचार करना अनिवार्य है, जिससे व्यक्ति और संगठन सभी के लिए सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने में भाग ले सकते हैं।राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस का प्रतीक है। 2025 में, यह मंगलवार को पड़ता है, जो सुरक्षा जागरूकता और कार्यान्वयन के लिए समर्पित एक सप्ताह के अभियान की शुरूआत है।राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 की थीम विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण है। यह थीम भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में सुरक्षा और कल्याण की अभिन्न भूमिका को रेखांकित करती है। यह इस बात पर जोर देता है कि किसी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से भी मापी जाती है।भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना 4 मार्च, 1966 को भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा एक गैर-लाभकारी, स्व-वित्तपोषित निकाय के रूप में की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण (एसएचई) पर एक स्वैच्छिक आंदोलन उत्पन्न करना, विकसित करना और बनाए रखना है। सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानते हुए, एनएससी ने 4 मार्च, 1972 को अपने स्थापना दिवस के साथ पहला राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस शुरू किया। तब से, यह पालन एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान बन गया है, जिसमें विभिन्न उद्योग, ट्रेड यूनियन, सरकारी क्षेत्र और आम जनता सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में शामिल हो रही है।राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करता है.जागरूकता पैदा करनाः यह लोगों और कर्मचारियों को दैनिक जीवन और कार्यस्थल में सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करता

है।निवारक उपायः दुर्घटनाओं और व्यावसायिक खतरों को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।कानूनी अनुपालनः संगठनों और व्यक्तियों को सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के प्रति उनकी कानूनी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है।सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देनाः इसका उद्देश्य ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है जहाँ सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आए और लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो।राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस/सप्ताह के पालन में विविध दर्शकों को शामिल करने के लिए डिजाइन किए गए कई कार्यक्रम और गतिविधियाँ शामिल हैंःसुरक्षा प्रतिज्ञाः संगठन और संस्थान सुरक्षित प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए सुरक्षा प्रतिज्ञा लेते हैं।अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन तैयारी और व्यावसायिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।प्रतियोगिताएँः रचनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए सुरक्षा विषयों पर केंद्रित निबंध लेखन, पोस्टर डिजाइनिंग और स्लोगन प्रतियोगिताएँ शामिल हैं ।सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया अभ्यास और नकली निकासी पर व्यावहारिक प्रदर्शन,जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सुरक्षा उत्पादों, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन शामिल हैं दुर्घटनाओं से रोकने के लिए किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है.राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के दौरान औद्योगिक दुर्घटनाओं से बचाव के तरीकों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस खासतौर पर हजारों सिपाहियों को समर्पित किया जाता है, जो अपनी जान खतरे में डालकर देश की सुरक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात रहते हैं.व्यक्ति और संगठन विभिन्न पहलों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस में भाग लेते हैंःसुरक्षा ऑडिटः संभावित खतरों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए कार्यस्थलों या घरों का गहन निरीक्षण करें।जागरूकता अभियानः सुरक्षा जानकारी का प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, न्यूजलेटर और सामुदायिक बैठकों का उपयोग करें।कार्यशालाः दर्शकों के लिए प्रासंगिक विशिष्ट सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें। ऐसी गतिविधियाँ जो राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के पालन को और अधिक प्रभावशाली बना सकती हैंः नेशनल सेफ्टी काउंसिल में एक गैर सरकारी और गैर लाभकारी संगठन के रूप में कार्य करता है. साल 1966 में मुंबई सोसायटी अधिनियम के तहत इस संगठन की स्थापना की गई थी जिसमें आठ हजार सदस्यों को शामिल किया गया था.यह सप्ताह विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न ओद्योगिक संगठनो द्वारा मिलकर मनाया जाता है. ये संस्थाए विभिन्न कार्यक्रमों और विभिन्न प्रमोशनल मटेरियल्स के द्वारा लोगों में राष्ट्रीय सुरक्षा कि भावना को जागरूक करती है. इन कार्यक्रमों को विभिन्न इलेक्ट्रोनिक मीडिया पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य ओद्योगिक पत्रिकाओं के माध्यम से लोगों तक पहुँचाया जाता है. इस पूरे राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, सेमिनार, सुरक्षा संदेशो के पोस्टर, स्लोगन, निबंध प्रतियोगिता, सुरक्षा पुरुस्कार वितरण, बैनर प्रदर्शनी, विभिन्न नाटक गीत तथा खेल प्रतियोगिता, विभिन्न कार्यशालाए और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के मुद्दो पर जागरूक किया जाता है. सहयोगः सुरक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए स्थानीय सुरक्षा संगठनों या विशेषज्ञों के साथ साझेदारी करें।कार्यक्रमः अनुकरणीय सुरक्षा प्रथाओं का प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों या टीमों को मान्यता दें और पुरस्कृत करें।

संवेदनहीन समाजः धर्म के नाम पर कर्तव्य से विमुखता!

- सोनम लववंशी

क्या सचमुच हम सभ्य समाज में जी रहे हैं? या यह सिर्फ एक भ्रम है, जिसे हम बचपन से पालते आए हैं? रामगढ़ की घटना पर नजर डालें, जहां एक बेटा अपनी बुजुर्ग माँ को भूख से तड़पता छोड़कर कुम्भ नहाने चला गया। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में एक अपराधी जिसने पहले भी दो बार बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध किए, फिर एक बार नाबालिग को शिकार बनाते हुए पकड़ा गया। क्या यही हमारी संस्कृति और नैतिकता की पराकाष्ठा है? कुम्भ का स्नान क्या माँ की सेवा से बढ़कर हो गया? या फिर धर्म के नाम पर पापों को धोने की हमारी परंपरा इतनी प्रबल हो गई है कि हमें अपनी जिम्मेदारियों से भागने का लाइसेंस मिल जाता है? माँ जिसे देवी का दर्जा दिया जाता है। गीता, वेद, पुराणों में सबसे ऊँचा स्थान दिया गया है, वही माँ जब बुजुर्ग हो जाती है तो उसे भूखा-प्यासा घर में बंद कर दिया जाता है। यह कैसी विडंबना है कि जहाँ समाज सेवा और पुण्य के नाम पर धर्मस्थलों में भीड़ उमड़ती है, वहीं अपने ही घर में माँ की सेवा करना बोझ लगता है? वहीं दूसरे मामले को देखें। एक बलात्कारी, जिसे सजा होती है जेल की हवा तक खाता है, वह फिर एक बार जघन्य अपराध करता है। क्यों? क्या हमारे कानून में इतनी ढिलाई है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध दोहराते रहें? क्या समाज का नैतिक पतन इस कदर हो गया है कि अपराधियों को कोई भय ही नहीं? या फिर यह हमारी सामूहिक विफलता है कि हम ऐसे दरिंदों को समय रहते रोक नहीं पाते?

यहाँ एक और प्रश्न उठता है ऋ क्या हम सच में एक विकसित समाज के नागरिक कहलाने योग्य हैं? हमारे देश में माता-पिता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं माना जाता है, आज वहीं वृद्धाश्रमों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नारी को नारायणी की तरह पूजने वाले देश में, नारियों को प्रताड़ित किया जा रहा हैं। धर्म और नैतिकता की दुहाई देने वाले लोग अपनी आत्मा से पूछें ऋ क्या यह वही समाज है जिस पर हम गर्व करते हैं? हम त्योहारों में घंटों लाइन में लगकर मंदिरों में प्रसाद चढ़ाने को तैयार रहते हैं, लेकिन अपने घर के बुजुर्गों को खाना खिलाना बोझ लगता है। अपराधियों के लिए सख्त सजा की मांग तो करते हैं, लेकिन जब ऐसे लोग हमारे समाज में घूमते हैं, तो हम आँखें फेर लेते हैं। क्या यही वह सभ्यता है, जिस पर हम गर्व करते हैं? अगर हाँ, तो शायद हमें फिर से सभ्यता का अर्थ समझना होगा। धर्म, नैतिकता और कानून, इन सबका उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना था, न कि इसे विकृत और संवेदनहीन। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक ऐसी घटनाएँ दोहराई जाती रहेंगी।

समाज में नैतिकता और न्याय की दुहाई देने वाले अक्सर तब चुप हो जाते हैं जब असल में आवाज उठाने की जरूरत होती है। हर दिन समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएँ पढ़कर क्षणिक आक्रोश तो व्यक्त कर देते हैं, लेकिन फिर अगले ही पल अपनी दिनचर्या में व्यस्त हो जाते हैं। यह निष्क्रियता ही सबसे बड़ा अपराध है। हम अपने आसपास की इन घटनाओं को देखते हुए भी मौन रह जाते हैं, जिससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है। कानून के प्रति डर क्यों समाप्त हो रहा है? क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था इतनी धीमी है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध करते हैं और पीड़ित न्याय के लिए बरसों भटकते रहते हैं। न्याय में देरी न्याय से वंचित होने की निशानी है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का है और आपको पैसों के मामले में खास लाभ होगा।

तुला आज दिन सुख-सुविधाओं में वृद्धि वाला रहेगा। जीवनसाथी का साथ मिलेगा।

वृषभ आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी या कारोबार में किसी व्यापारी से अनबन हो सकती है।

वृश्चिक आज लाभ होगा और आपको धन लाभ होने के साथ ही आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

मिथुन दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार में किसी के बिछड़ने से मन दुखी होगा।

धनु दिन परेशानियों से भरा होगा। ऑफिस के काम में आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

कर्क आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। जीवनसाथी और व्यापारिक साझेदारों का सहयोग मिलेगा।

मकर धन लाभ होगा। घर में पत्नी या बच्चे की तबीयत अचानक खराब होने से चिंता हो सकती है।

सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा और आपको हर कार्य में मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

कुंभ आज कोई खास लक्ष्य नहीं होगा। काम को लेकर स्पष्टता की कमी निराशा पैदा करेगी।

कन्या समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। जिम्मेदारियां बढ़ने से थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन कार्यकुशलता से लाभ दिलाने वाला रहेगा। चतुराई और त्वरित निर्णय से कल लाभ पा सकेंगे।

विशेष

आंध्र के किसानों को 20000 हर साल

आंध्र प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री हैं।उन्होंने किसानों को हर साल ?20000 देने की घोषणा की है। बजट में इसका प्रावधान भी कर दिया है। केंद्र सरकार 6000 साल देती है। डबल इंजन की सरकार के डबल स्टैंडर्ड मतदाताओं को मार रहा है। जब आंध्र प्रदेश में 20000 दिए जा सकते हैं। अन्य राज्यों में क्यों नहीं, यह किसान पूछ रहे हैं।

दिल्ली में घुसपैठियों को बाहर निकालेगी सरकार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गृहमंत्री आशीष सूद और पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के साथ एक बैठक की केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा दिल्ली के घुसपैठियों की पहचान करो उनको शरण देने वालों की पहचान करो अमेरिका की तरह दोनों पर कार्यवाही करो घुसपेठियों को दिल्ली से निकल बाहर करो 11 साल बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के साथ बैठक की है अब दिल्ली से घुसपेठीयों का बाहर जाना तय है।

दिल्ली की राजनीति कैग रिपोर्ट पर आधारित

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई है।सरकार बनते ही केग की रिपोर्ट धड़ाधड़ विधानसभा के सदन में पेश की जा रही है। दिल्ली की राजनीति कैग की रिपोर्ट के आधार पर हो रही है।पूर्व सरकार पर खूब आरोप लगाए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केग रिपोर्ट को आधार बनाकर कांग्रेस को सत्ता के सिंहासन से बाहर किया था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1475 : बूनिटा के विद्रोहियों ने दो महीने के संघर्ष के बाद अंगोला के दूसरे सबसे बड़े शहर हुआम्बो पर कब्जा किया. 1475 : इतालवी चित्रकार माइकल एंजेलो का जन्म. 1775: रघुनाथराव और अंग्रेजों के बीच सूरत संधि हुई. 1975: गांधीजी और रवीन्द्र नाथ टैगोर की पहली मुलाकात शांति निकेतन में हुई . 1922 : अमरीका ने चीन को हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया. 1945 : द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर पर अमरीकी सेना का कब्जा. 1946 : फ्रांस ने वियतनाम को मान्यता प्रदान की. 1953 : जीएम मालेनकोव ने स्टालिन के स्थान पर सोवियत संघ के प्रधानमंत्री का पद संभाला. 1959 : ब्रिटेन के दो पूर्व उपनिवेशों गोल्ड कोस्ट और टोमोलैंड को मिलाकर घाना बना. 1962 : अमरीका ने कम्युनिस्ट आक्रमण के खिलाफ थाईलैंड की रक्षा का संकल्प लिया. 1988 : हजारों तिब्बतियों ने आजादी की मांग करते हुए ल्हासा में जगह जगह आग लगाई.

दैनिक पंचांग

6 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.47 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.57 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.55 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.09 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.25 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.37 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.47 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.02 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	01.18 बजे से
		मकर	03.23 बजे से
		कुंभ	05.10 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 65 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 10.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 00.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 20.29 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.51 बजे तदनन्तर विष्टि 22.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 39'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872275
जूलियन दिन 2460740.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 05
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

वन्य जीवन में करियर जोखिम के साथ पैसा भी

यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया करवाना है, तो जीव जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कोर्स

- बीएससी इन वाइल्ड लाइफ
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ बायोलॉजी
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन वाइल्ड लाइफ साइंस
- अंडर ग्रेजुएट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवांस्ड वाइल्ड लाइफ साइंस
- बीएससी इन फोरेस्ट्री इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन जू एंड वाइल्ड एनिमल हैल्थ केयर एंड मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट

कुछ वर्ष पहले तक पक्षियों की चहचहाहट केवल गांवों में ही नहीं, बल्कि शहरों में भी आसानी से सुनी जा सकती थी, लेकिन बढ़ते शहरीकरण के कारण पक्षियों का कोलाहल शहरों में अब कम ही सुनने को मिलता है। पक्षी व जानवर अपने आवास को छोडऩे पर मजबूर हो गए हैं। कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए हैं, तो कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं, क्योंकि शहरीकरण बढऩे लगा है और वन सिमटने लगे हैं। ऐसे में यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में शानदार करियर बना सकते हैं। सच पूछिए तो वाइल्ड लाइफ और पर्यावरण हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम छोटे-छोटे इंसेक्ट्स को भी दरकिनार नहीं कर सकते, क्योंकि इन्हीं की वजह से फसलें पॉलिनेट हो पाती हैं। कहने का तात्पर्य है कि हर जीव-जंतु प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने में विशेष भूमिका निभाता है। यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया कराना है, तो जीव-जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कैसे पहुंचें मुकाम पर

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फोरेस्ट्री या एन्वायरनमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है। बीएससी के बाद वाइल्ड लाइफ साइंस से एमएससी करने वालों के लिए भी यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।

रोजगार के अवसर

आज इस क्षेत्र में संभावनाओं की कमी नहीं है। अपेक्षित डिग्री हासिल करने के बाद मुंबई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी, वर्ल्ड वाइड फंड, वाइल्ड लाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अलावा कई ऐसे आर्गेनाइजेशंज हैं, जिनमें रिसर्चज और प्रोजेक्ट आफिसर्ज के रूप में काम कर सकते हैं। वाइल्ड बायोलॉजिस्ट के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इस क्षेत्र में कोर्स पूरा करने के बाद वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरीज, एन्वायरनमेंटल एजेंसी, जूलॉजिकल फर्म, एन्वायरनमेंटल कंसल्टेंसी फर्म, नॉन गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशन, एग्रीकल्चरल कंसल्टेंट फर्म, इंडियन काउंसिल ऑफ फोरेस्ट रिसर्च एंड एजुकेशन और ईको रिहैबिलीटेशन फर्मों में नौकरी पा सकते हैं।

पारिश्रमिक

प्राइवेट सेक्टर में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को 30 से 35 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। यह वेतन सीनियोरिटी और अनुभव के साथ बढ़ता जाता है। पीएचडी होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का 50 हजार प्रतिमाह वेतन हो सकता है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी अच्छे वेतनमान पर नौकरियां मिलती हैं।

जोखिम के साथ पैसा भी

यदि आपको प्रकृति और वन्य जीवों से थोड़ा भी लगाव है या इनके क्रियाकलापों और जीवन को जानने में आपकी विशेष रुचि है तो समझ लीजिए आपको रोजगार की राहें खुल गई हैं। क्योंकि सरकारी संस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की तलाश करते रहते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन आपमें काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के काम को समझते हुए संस्थान इस क्षेत्र से जुड़े पेशवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देते।

प्रमुख संस्थान

= वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,देहरादून =
= हिमाचल फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीच्यूट, शिमला =
= टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बंगलूर =
= इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलूर =
= नेचर कंजरवेशन फाउंडेशन, मैसूर =
= सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात =
= गुरु घासीराम विश्वविद्यालय बिलासपुर, मध्यप्रदेश =
= अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तरप्रदेश =

दक्षता क्या हो

- बायोलॉजी, मैथमेटिक्स तथा स्टेटिस्टिक्स में मजबूत पकड़ हो।
- वन्य जीवन के प्रति आकर्षण हो।
- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल व आंतरिक दक्षता हो।
- कम्प्यूटर पर काम करने की जानकारी हो।

कार्य स्वरूप

- फील्ड साइट पर पहुंच कर डाटा एकत्र करना।
- फील्ड साइट की भौगोलिक स्थिति के मुताबिक ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल रास्तों पर चढ़ाई या ड्राइव करना होता है।
- वन्य जीव विशेषज्ञों से मिलना और बातचीत करना।
- साइंटिफिक पेपर, टेक्निकल रिपोर्ट या पॉपुलर ऑर्टिकल्स का काम पूरा करना या अनुदान या वित्तीय सहायता के लिए लिखना तथा नीति निर्माताओं या कॉलेबोरेटर्स से मुलाकात करना।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

ट्रंप के टैरिफ वॉर से भारत पर पड़ेगा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन, कनाडा और मैक्सिको पर जवाबी टैरिफ लागू करने से ग्लोबल ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है। इन देशों ने भी अमेरिका पर टैरिफ बढ़ा दिया है। इन फैसलों से भारत समेत पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने का अनुमान है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की जीडीपी पर इसका सीमित असर ही रहेगा, लेकिन इसकी रफ्तार धीमी हो सकती है। हालांकि, कुछ क्षेत्र जरूर इससे प्रभावित हो सकते हैं। खासकर शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, रोजगार के मोर्च पर कटौतियां देखने को मिल सकती है।

1. जीडीपी : अर्थव्यवस्था पर अधिक असर नहीं

गोल्डमैन सैक्स ने हाल में जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद पर 0.1 से 0.6 के बीच असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की घरेलू गतिविधियां बढ़ने से इसका असर सीमित रहेगा। वहीं, साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का कहना है कि अमेरिकी शुल्क का भारत पर कोई खास प्रभाव नहीं होगा। इसका कारण यह है कि अर्थव्यवस्था को घरेलू कारकों से गति मिल रही है, जबकि निर्यात पर निर्भरता कम है।

2. महंगाई : कुछ वस्तुओं के दाम में उछाल संभव

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. अरुण कुमार के मुताबिक, टैरिफ युद्ध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ेगी। इसका असर भारत पर भी दिखेगा और निर्यात लागत बढ़ेगी। इससे न केवल निर्यात क्षेत्र प्रभावित होगा, बल्कि देश के अंदर उन वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ेंगे, जिन्हें हम निर्यात कर रहे है। इससे महंगाई में वृद्धि देखने को मिल सकता है। आर्थिक विकास दर धीमी होगी। इसका असर संगठित और असंगठित दोनों ही क्षेत्रों पर देखने को मिल सकती है।

3. शेयर बाजार : गिरावट का दौरा जारी रहने की आशंका बढ़ी

टैरिफ घसामान से दुनियाभर के शेयर बाजारों में अस्थिरता की आशंका और बढ़ गई है। सोमवार को अमेरिका बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। इसका असर भारतीय बाजारों पर दिखा। संसेक्स 73000 अंक से नीचे आ गया। वहीं निफ्टी भी 22,000 अंक के स्तर तक आ चुका है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और धातु कंपनियों के शेयरों में गिरावट इसका प्रमुख कारण है।

विदेशी निवेशक टैरिफ युद्ध बढ़ने की आशंका से भारतीय बाजारों से लगातार अपनी रकम निकाल रहे हैं। इस साल अब तक वे 1.15 लाख करोड़ से अधिक की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में गिरावट का सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है।

4. सोना : कीमतों में आगे भी तेज उछाल से आसार

टैरिफ वॉर बढ़ने की आशंका से लोग सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की खरीदारी कर रहे हैं। इससे सोने की कीमतों में तेजी आई। भारत में सोने के दाम रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए हैं। मंगलवार को सोने के दाम में 1100 रुपये का उछाल आया और 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। चांदी की कीमत भी 1500 रुपये बढ़कर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती है तो सोने की कीमतों में आगे तेज उछाल देखने को मिल सकता है। सोने की कीमतें इसलिए बढ़ रही हैं, क्योंकि लोग अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर अनिश्चितता महसूस कर रहे हैं और सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में देख रहे हैं।

5. रोजगार : कुछ क्षेत्रों में शुरू हो सकता है छंटनी का दौर

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के इस फैसले का असर अमेरिकी कंपनियों पर भी पड़ेगा। वे बड़े पैमाने पर छंटनियां शुरू कर सकती हैं। कुछ कंपनियों ने इसकी शुरुआत भी कर दी है। इसका असर उन भारतीय कंपनियों पर पड़ सकता है, जो अमेरिका से व्यापार साझा करती हैं।

खासकर आईटी, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और धातु क्षेत्र में नौकरियां कम हो सकती हैं। इसके अलावा, कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उत्पादन लागत बढ़ सकती है, जिससे उद्योगों की लाभप्रदता प्रभावित हो सकती है।

एलन मस्क को लगा 96 अरब डॉलर का झटका

कई देशों की जीडीपी के बराबर है रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे मूल्यवान कार कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के नेटवर्थ के लिए साल 2025 बहुत बुरा साबित हो रहा है। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 96.5 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई है। यह रकम नेपाल, यमन, उत्तर कोरिया, म्यांमार जैसे देशों की जीडीपी से भी अधिक है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जितनी तेजी से एलन मस्क की दौलत उछली, उतनी तेजी से गिर रही है। एलन मस्क इस समय दुनिया के सबसे रईस शख्स हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उनका नेटवर्थ 336 अरब डॉलर है। मंगलवार को टेस्ला के शेयरों में

आए गिरावट की वजह से उन्हें 9.10 अरब डॉलर का झटका लगा और इस झटके के साथ ही साल 2025 में मस्क 96.5 अरब डॉलर गंवा चुके हैं।

टेस्ला के शेयर लुढ़कने से लग रहा झटका- मस्क के पास टेस्ला की लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है और उनके पास 2018 के कंपेंसेशन पैकेज से 304 मिलियन स्टॉक ऑप्शन भी हैं। पिछले 5 दिन में टेस्ला का शेयर 10 फीसद से अधिक टूटा है और एक महीने में 30 पर्सेंट से अधिक लुढ़क चुका है। इस अवधि में मस्क 433 से 336 अरब डॉलर पर आ गए हैं।

रिलायंस को 24,500 करोड़ का नोटिस

प्राकृतिक गैस उत्पादन और बिक्री से हुए लाभ से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने ओएनजीसी के आसपास के ब्लॉक से प्राकृतिक गैस के उत्पादन और बिक्री से हुए लाभ पर रिलायंस इंडस्ट्रीज को 2.81 अरब डॉलर (करीब 24,500 करोड़ रुपये) का मांग नोटिस भेजा है। यह नोटिस 14 फरवरी को आए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद भेजा गया है। हाईकोर्ट ने एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के उस फैसले को पलट दिया

था, जिसमें रिलायंस और यूके की उसकी साझेदार फर्म बीपी पीएलसी को नजदीकी ब्लॉक से गैस उत्पादन और बिक्री के लिए किसी भी हर्जाने की देनदारी नहीं बताई गई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा, खंडपीठ के फैसले के बाद पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से 3 मार्च, 2025 को मांग पत्र प्राप्त हुआ है। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लि. और कनाडा की कंपनी निको (एनईसीओ) लि. से 2.81 अरब डॉलर की मांग की गई है।

सरकार ने दायर की थी अपील

दरअसल, सरकार ने 2016 में ओएनजीसी के आसपास के क्षेत्रों से केजी-डी6 ब्लॉक में स्थानांतरित हुई गैस की मात्रा के लिए रिलायंस और उसके भागीदारों से 1.55 अरब डॉलर की मांग की थी।

बीएचईएल से मिला कंपनी को 232 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

शेयर खरीदने की मची लूट, 31 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशंस के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है और यह 31.48 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से ऑर्डर मिला है। कंपनी की फाइलिंग के मुताबिक, यह जीएसटी को छोड़कर यह ऑर्डर करीब 232करोड़ का है।

क्या है डिटेल

स्टेनलेस स्टील, अलॉय स्टील और पाइप और ट्यूब सहित स्टील उत्पादों के प्रोडक्शन में सक्रिय कंपनी ने मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद एक्सचेंजों को एक फाइलिंग में बताया, वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड को सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स की श्रृंखला के लिए लगभग 4,050 टन स्टेनलेस स्टील सीमलेस बॉयलर ट्यूब की आपूर्ति के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा रु1 बोलीदाता के रूप में अधिसूचित किया गया है। बीएचईएल में इंटरनल अप्रूवल प्रोसेस के बाद औपचारिक ऑर्डर जारी किया जाएगा।

कंपनी के शेयरों के हाल

बीएसई पर वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशंस के शेयर की कीमत 5 प्रतिशत बढ़कर 31.48 के अपर प्राइस बैंड पर पहुंच गई। आज की बढ़त के साथ, वेलस्पन स्पेशलिटी शेयरों के शेयरों ने अपने पांच दिनों की गिरावट को रोक दिया, जिसमें उन्होंने अपने वैल्यू का लगभग 22 प्रतिशत खो दिया था। बता दें कि भारतीय शेयर बाजार में व्यापक बिकवाली के बीच वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशंस के शेयरों में 2025 में अब तक 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले एक साल में भी स्टॉक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और इस दौरान स्टॉक में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस बीच, पिछले छह महीनों में शेयर में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है।

महाकुंभ के बाद आसमान छू रहे अशोका होटल के शेयर, 650 पर पहुंच सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पर्यटन विकास निगम के शेयरों को खरीदने के लिए आज निवेशकों में होड़ मची है। आईटीडीसी के शेयर आज 524.50 रुपये प्रति शेयर के हाई लेवल पर खुले और ओपनिंग बेल के कुछ ही मिनटों में 589 रुपये प्रति शेयर के इंट्राडे हाई को छू गए। शेयर मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक अशोका होटल के एसेट मोनेटाइजेशन के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बोर्ड मीटिंग की घोषणा के बाद आइटीडीसी के शेयर सुबह के कारोबार में आसमान छू रहे हैं। सुबह 11 बजे के करीब यह 13 पर्सेंट उछलकर 575 के आसपास ट्रेड कर रहा था।

दो मुख्य कारणों से बढ़ रहा शेयर भाव- आइटीडीसी शेयर की कीमत में उछाल के बारे में लक्ष्मीश्री इन्वेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अंशुल जैन ने लाइव मिंट से कहा, आइटीडीसी शेयर की कीमत दो मुख्य कारणों से बढ़ रही है। पहला कंपनी अशोका होटल की एसेट मोनेटाइजेशन के प्रस्ताव पर विचार और मंजूरी के लिए बोर्ड मीटिंग। दूसरा महाकुंभ के बाद मजबूत त्त4 नतीजे। जैन ने कहा कि आइटीडीसी बोर्ड ने एसेट मोनेटाइजेशन प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए 11 मार्च 2025 की मीटिंग तय की है।

रॉकेट सा उड़े अडानी विल्मर के शेयर

टाप्स ब्रांड की कंपनी को खरीदने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। अडानी विल्मर के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक उछलकर 254 रुपये पर पहुंच गए हैं। अडानी विल्मर ने मंगलवार को कहा है कि उसने चरणबद्ध तरीके से जीडी फूड्स मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को खरीदने के लिए डिफिनिटिव एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। जीडी फूड्स का टाप्स ब्रांड पर मालिकाना हक है। यह डील कई चरण में होगी। अडानी विल्मर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 404 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 231.55 रुपये है।

पहले चरण में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी अडानी विल्मर- अडानी विल्मर पहले चरण में जीडी फूड्स में 80 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदेगी। कंपनी बाकी बची 20 पर्सेंट हिस्सेदारी को अगले तीन साल में खरीदेगी। 80 पर्सेंट हिस्सेदारी 603 करोड़ रुपये की एंटरप्राइज वैल्यू में खरीदी जाएगी। वित्त वर्ष 2023-24 में जीडी फूड्स का

रेवेन्यू 386 करोड़ रुपये था। जीडी फूड्स के मालिकाना हक वाले ब्रांड टॉप्स की नॉर्थ इंडिया में हाउसहोल्ड ब्रांड के रूप में मजबूत रेपुटेशन है। कंपनी की प्रॉडक्ट लिस्ट में टोमैटो केचप, स्नैक्स सॉस, जैम, पिकल्स, नूडल्स, इंस्टैंट मिक्सेज, कॉर्न एंड चोको फ्लेक्स, बेकिंग पाउडर, केक मिक्स शामिल हैं।

6 महीने में 30 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं अडानी विल्मर के शेयर- अडानी विल्मर के शेयरों में पिछले 6 महीने में 30 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। अडानी विल्मर के शेयर 5 सितंबर 2024 को 366.60 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 मार्च 2025 को 254 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक अडानी विल्मर के शेयरों में करीब 22 पर्सेंट की गिरावट आई है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को कंपनी के शेयर 329 रुपये पर थे। अडानी विल्मर के शेयर 5 मार्च 2025 को 254 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 7 पर्सेंट की गिरावट आई है।

रेल विकास निगम को मिला 729 करोड़ रुपये का काम

उछलकर 350 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। रेल कंपनी के शेयर बुधवार को 7 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 351.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक बड़ा प्रोजेक्ट मिलने से आया है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने अनाउंस किया है कि उसे हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड से 729.82 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है।

24 महीने में पूरा किया जाना है यह प्रोजेक्ट- रेल विकास निगम लिमिटेड को मिले इस प्रोजेक्ट में हिमाचल प्रदेश के सेंट्रल जोन में डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर के डिवेलपमेंट का काम है। इस प्रोजेक्ट को 24 महीने में पूरा किया जाना है। 21 फरवरी को कंपनी साउथ वेस्टर्न रेलवे के एक प्रोजेक्ट के लिए लोएस्ट बिडर के रूप में उभरी थी। वहीं, 18 फरवरी को 554 करोड़ रुपये के एक ज्वाइंट वेंचर प्रोजेक्ट के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड को लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला था। यह काम बेंगलुरु सबर्बन रेल प्रोजेक्ट के लिए था।

5 साल में 1700 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं आरवीएनएल के शेयर

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 1700 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। रेल कंपनी के शेयर 6 मार्च 2020 को 18.95 रुपये पर थे।

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 5 मार्च 20025 को 351.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 साल में रेल कंपनी के शेयरों में 980 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 5 मार्च 2021 को 31.55 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 मार्च 2025 को 351.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 3 साल में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में 1050 पर्सेंट का उछाल आया है।

सरकार ने प्लैटिनम मिश्र धातु के आयात पर लगाया प्रतिबंध

आयातकों को अब लेनी होगी डीजीएफटी से मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बुधवार को 99 प्रतिशत से कम शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु पर आयात प्रतिबंध लगा दिया। सरकार की ओर से यह कदम भारी मात्रा में सोने के साथ मिश्रित इस बहुमूल्य धातु के अवैध आयात पर अंकुश लगाने के लिए उठाया गया है। ऐसे प्लैटिनम मिश्र धातुओं के आयातकों को अब इनबाउंड शिपमेंट के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से आयात प्राधिकरण प्राप्त करना आवश्यक है। यह निर्णय ऐसे कुछ मामलों के बाद लिया गया है, जहां सोने और प्लैटिनम के बीच टैरिफ अंतर का फायदा उठाने के लिए इस मिश्र धातु को काफी मात्रा में सोने के साथ मिश्रित करके आयात किया गया था। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा, प्लेटिनम की आयात नीति को मुक्त से संशोधित कर प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह बदलाव प्लैटिनम के भार के अनुसार 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु पर लागू नहीं होगा। आभूषण निर्माण और औद्योगिक उपयोग के लिए प्लैटिनम की आपूर्ति सुचारू बनी रहे इसके लिए सरकार ने 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु के अप्रतिबंधित आयात की मंजूरी दे दी है। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने पिछले वर्ष भारत-यूएई व्यापार समझौते की तत्काल समीक्षा की मांग की थी। समझौते में कहा गया था कि यह समझौता शून्य टैरिफ के साथ यूएई से भारत में सोने, चांदी, प्लैटिनम और हीरे के असीमित आयात की अनुमति देता है। जीटीआरआई ने कहा था कि वर्तमान में दुबई से सोने का आयात 5 प्रतिशत शुल्क पर किया जा सकता है, लेकिन यदि मिश्र धातु में 2 प्रतिशत प्लैटिनम है तो यह तीन वर्षों में शून्य हो जाएगा। जीटीआरआई ने यह भी दावा किया था कि कई आयात मूल नियमों की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं और इसलिए, रियायतों के लिए योग्य नहीं हैं। अक्तूबर 2024 में, भारत ने यूएई से चांदी के उत्पादों, प्लैटिनम मिश्र धातु और सूखे खजूर के आयात में उछाल पर चिंता जताई और देश से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत नियमों को दरकिनार न किया जाए।

इस मैच का दबाव पाकिस्तान वाले मैच जैसा ही था: विराट कोहली

चैंपियंस ट्रॉफी: 2025

दुबई, एजेंसी। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की जीत में विराट कोहली की पारी का महत्वपूर्ण रोल रहा। ऑस्ट्रेलिया से मिले 265 रन के लक्ष्य के बाद विराट ने 98 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 84 रन बनाए। मुकाबले के दौरान विराट ने ज्यादातर सिंगल-डबल पर ही फोकस किया। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने इस पर बात भी की। प्लेयर ऑफ द मैच बने विराट ने कहा कि यह मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे दिन के समान ही था। यह परिस्थितियों को समझने और स्ट्राइक रोटेट करने के बारे में है क्योंकि इसकी पिच पर साझेदारियां महत्वपूर्ण होती है। यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आज भी ऐसा किया। इसे समझकर अपनी पारी खेली। मेरी टाइमिंग, क्रीज पर मेरा संयम ठीक रहा। मैं जल्दबाजी में नहीं था।

कोहली ने कहा कि मैच के दौरान जब मैं सिंगल ले रहा था तो यह मेरे लिए सबसे सुखद हिस्सा था। यह खेल पूरी तरह दबाव का था। यदि आप खेल में गहराई तक जाते हैं, तो प्रतिद्वंद्वी आमतौर पर हार मान लेते हैं। आपको अपनी भावनाओं पर काबू रखना होगा। भले ही रन रेट 6 प्रति ओवर हो, मुझे कोई परेशानी नहीं है। क्या यह अब तक आपकी बेस्ट पारी थी, सवाल पर विराट ने कहा कि मुझे नहीं पता। इसे तोड़ना आप लोगों पर निर्भर है। मैंने कभी भी उन चीजों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है। जब आप उन मील के पत्थर के बारे में नहीं सोचते, तो वे घटित होते हैं। अगर मैं 3 अंकों के आंकड़े तक पहुंच जाता तो बहुत अच्छा होता लेकिन जीत महत्वपूर्ण है। मेरे लिए अब वो चीजें मायने नहीं रखतीं। बता दें कि टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल की उपविजेता, 2024 टी20 विश्व कप की विजेता टीम इंडिया अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब की भी दावेदार हो गई है। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी के अर्धशतकों की बदौलत 264 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने 43 रन पर दोनों ओपनर्स गंवा दिए। लेकिन इसके बाद श्रेयस अय्यर ने 45 तो विराट कोहली ने 84 रन बनाकर टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाया। अंत में हार्दिक पांड्या (28) के साथ केएल राहुल (42 नाबाद) ने बड़ी हिट लगाकर भारत की झोली में मैच डाल दिया। अब रोहित शर्मा के पास बतौर कप्तान दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट्स जीतने का मौका बन गया है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्मिथ का वनडे से संन्यास

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से हार के बाद फैसला, कमिंस की जगह कप्तानी कर रहे थे

दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने संन्यास का फैसला लिया, जानें कब खेलेंगे आखिरी मैच

चेन्नई, एजेंसी। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की कि चेन्नई में इस महीने के आखिर में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक खेला जाएगा। 42 वर्ष के शरत कमल ने कहा, 'मैने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में छह स्वर्ण पदक जीते हैं जबकि एशियाई खेलों में दो कांस्य अपने नाम किए। पिछले साल पेरिस में पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेलने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'मैने राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिए अपना सपना पूरा कर सकूंगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारत से मिली हार के बाद टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ ने वनडे से संन्यास ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया की टीम को मंगलवार को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्मिथ टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह टेस्ट खेलते रहेंगे। हालांकि, टी-20 इंटरनेशनल में वह काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। 35 साल के स्मिथ ने भारत से हार के तुरंत बाद अपने साथियों को बता दिया था कि उन्होंने अपना अंतिम वनडे मैच खेल लिया है। स्मिथ बोले- दो वर्ल्ड कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी स्मिथ ने कहा, यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने इसके हर पल का लुत्फ उठाया है। बहुत सारे अद्भुत पल और शानदार यादें रही हैं। दो वर्ल्ड कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी और साथ ही कई शानदार टीम-साथियों ने इस सफर को साझा किया। अब लोगों के लिए 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू करने का एक शानदार अवसर है, इसलिए ऐसा लगता है कि संन्यास लेने का यह सही समय है। स्टीव स्मिथ की यह फोटो 2015 वनडे वर्ल्ड कप की है, जब ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बनी थी।

स्मिथ ने 170 वनडे खेले स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू किया था। कुल 170 वनडे खेले और 5800 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 43.28 का और स्ट्राइक रेट 86.96 का रहा। वनडे में उनकी बेस्ट पारी 164 रन की है। वनडे में उन्होंने 35 अर्धशतक और 12 शतक लगाए हैं। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फॉर्म में नहीं थे। उन्होंने तीन पारियों में 48.50 की औसत से 97 रन बनाए थे। 73 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही।

टेस्ट में स्मिथ ने 4 दोहरे शतक लगाए स्मिथ टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने टेस्ट में कई रिकॉर्ड्स बनाए हैं। 116 टेस्ट की 206 पारियों में स्मिथ ने 56.75 की औसत से 10,271 रन बनाए हैं। 239 रन की पारी उनकी बेस्ट पारी रही है। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाए हैं। इनमें चार दोहरे शतक भी शामिल हैं। स्मिथ ने 67 टी-20 मुकाबले भी खेले हैं। इसमें उन्होंने 24.86 की औसत और 125.46 के स्ट्राइक रेट से 1094 रन बनाए। टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं। स्मिथ ने 64 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की स्मिथ कप्तान के रूप में 2015 और 2023 आईसीसी वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे। वह 2015 में वनडे टीम के रेगुलर कप्तान बने थे और 64 मैचों में टीम की कप्तानी की। इसमें जीत का प्रतिशत 50 प्रतिशत रहा। उन्होंने हाल ही (2023-24) में घरेलू सीरीज के दौरान कप्तान के रूप में कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने में मदद की।

मेरे ऊपर अधिक जिम्मेदारी है

ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बोले मोहम्मद शमी

दुबई, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। राणा अभी नए हैं और पांड्या हरफनमौला है जो आम तौर पर वनडे मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है लेकिन वह शत प्रतिशत से ज्यादा देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा हरफनमौला है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट लेकर मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना शत प्रतिशत से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं। शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है। हम सभी आखिर में मजदूर हैं।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने

कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है। उन्होंने कहा, 'इससे निश्चित तौर पर फायदा मिला है क्योंकि हम हालात और पिच को बखूबी समझते हैं। एक ही जगह सारे मैच खेलने से फायदा मिला है।

मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... जीत के बाद आलोचकों पर भड़के गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है. उसने मंगलवार (4 मार्च) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मुकाबले में 4 विकेट से जीत दर्ज की. यह मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया. मैच में विराट कोहली ने 84 रनों की मैच विनिंग पारी खेली. इस शानदार जीत के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए. इस दौरान उन्होंने टीम सेलेक्शन और बैटिंग ऑर्डर को लेकर जवाब दिया. जबकि कुछ सवालों पर वो भड़के भी. साथ ही गंभीर ने इस दौरान कोहली, केएल राहुल का भी सपोर्ट किया.

टीम सेलेक्शन के सवाल पर गंभीर ने कहा, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. मेरा काम है 140 करोड़ भारतीयों, खिलाड़ी और ड्रेसिंग रूम के साथ वफादार रहना. मुझे नहीं फर्क पड़ता कि लोग क्या बात कर रहे हैं, क्या बोल रहे हैं. उनका क्या एजेंडा है. आखिर में मुझे सिर्फ इसी बात से फर्क पड़ता है कि मैं अपनी नौकरी को लेकर कितना वफादार हूं. क्योंकि इससे मैं शांति से रह सकता हूं. स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर बैटिंग के लिए भेजा जा रहा है. उनके बाद केएल राहुल और हार्दिक पंड्या जैसे प्लेयर आते हैं. अक्षर ने सेमीफाइनल में 27 रनों की अहम पारी खेली. इस ऑर्डर को लेकर गंभीर ने अक्षर का सपोर्ट किया और कहा, मैंने पहले भी कहा है कि लोग क्या कहते हैं मैं इसकी परवाह नहीं करता. मेरा मानना है कि वो क्वालिटी प्लेयर है और यही खास बात है.

रोहित की कप्तानी में भारत चौथी बार आईसीसी फाइनल में

दुबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया चौथी बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंच गई है। सबसे पहले यह सिलसिला 2021 में शुरू हुआ था जब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में पहुंची थी। इसके बाद 2023 वनडे विश्व कप फाइनल और 2024 टी20 विश्व कप फाइनल की बारी आई। अब रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतार चढ़ाव भरे सेमीफाइनल मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद रोहित भी खुश दिखे।

रोहित ने मैच की स्थितियों पर बात करते हुए कहा कि आखिरी गेंद फेंके जाने तक कुछ भी निश्चित नहीं था। आधे चरण में हमें लगा कि यह उचित स्कोर है। पिच की प्रकृति आपको शॉट खेलने की इजाजत

नहीं देती। हम बल्ले से अच्छे थे। हम अपने लक्ष्य का पीछा करने में शांत और संयमित थे। आज पिच बेहतर दिख रही थी। इसने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में थोड़ा बेहतर खेला। यह अच्छा क्रिकेट खेलने के बारे में है। हमारे पास बहुत सारे अनुभवी लोग हैं। यह कुछ ऐसा है जो मैं चाहता था। हमारे पास 6 गेंदबाजी विकल्प थे साथ ही बल्लेबाजी में गहराई भी। इसका श्रेय उन सभी को जाता है जो टीम बनाने में शामिल थे। उसने कई वर्षों तक ऐसा किया है।

रोहित ने कहा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो हम शांत थे। आखिर में हार्दिक के वो शॉट अहम थे। जब आप फाइनल में होते हैं, तो आप चाहते है कि सभी खिलाड़ी फॉर्म में हों। इन सभी लोगों ने प्रभाव डाला है और इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिला है। अगले सेमीफाइनल में दोनों अच्छी टीमें हैं। हम इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचेंगे। यह बहुत दबाव वाला टूर्नामेंट है। अब हम कुछ समय आराम करेंगे और फिर फाइनल के बारे में सोचेंगे।

इससे पहले विराट कोहली ने भी मुकाबले को दबाव वाला बताया था। प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद विराट ने कहा कि यह मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे दिन के समान ही था। यह परिस्थितियों को समझने और स्ट्राइक रोटेट करने के बारे में है क्योंकि इसकी पिच पर साझेदारियां महत्वपूर्ण होती हैं। यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आज भी ऐसा किया। इसे समझकर अपनी पारी खेली। मेरी टाइमिंग, क्रीज पर मेरा संयम ठीक रहा। मैं जल्दबाजी में नहीं था।

वरुण चक्रवर्ती ने 143 गेंदबाजों को छोड़ा पीछे, रैंकिंग में इतने बड़े उछाल से मचाया हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। वरुण चक्रवर्ती ने आर्किटेक्ट की पढ़ाई की है। मगर वो अपनी कामयाबी की इमारत को इंटरनेशनल क्रिकेट की पिच पर खड़े करते दिख रहे हैं। वरुण की उसी काबिलियत का असर है कि अब उनका लोहा आईसीसी ने भी मान लिया है। भारतीय स्पिनर ने आईसीसी की ताजा वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में दुनिया के 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ते हुए हड़कंप मचा दिया है। दाएं हाथ के स्पिनर वरुण इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे हैं, जहां अभी तक मिले 2 मौकों में ही उन्होंने विकेटों का अंबार लगा दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी में वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन

वरुण चक्रवर्ती ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अब तक खेले 2 मैचों में 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। इसी के साथ वो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में भी शामिल हो गए हैं। उनसे ज्यादा विकेट अब सिर्फ न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और हमवतन मोहम्मद शमी के हैं। मगर इन दोनों ने उनसे मुकाबले ज्यादा खेले हैं।

टॉप 100 में पहुंचे वरुण चक्रवर्ती

अब सवाल है कि आईसीसी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 143 स्थान की छलांग लगाकर वरुण चक्रवर्ती पहुंचे कहां? ऐसा कर भारतीय स्पिनर ने टॉप 100 में एंट्री ले ली है। वरुण चक्रवर्ती अब 97वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे के नंबर वन गेंदबाज महीश तीक्ष्णा

आईसीसी वनडे गेंदबाजों में टॉप के पोजीशन की बात करें तो श्रीलंका के महीश तीक्ष्णा 680 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले पायदान पर बने हैं। साउथ अफ्रीका के केशव महाराज को 2 स्थान का फायदा हुआ है और वो अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 3 स्थान की उछाल के साथ तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

लेब्रोन जेम्स ने रचा इतिहास, 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लेब्रोन जेम्स 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले इतिहास के पहले एनबीए खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय लॉस एंजिल्स लेकर्स स्टार ने मंगलवार को न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ घर पर एनबीए रेगुलर सीजन गेम के दौरान तीन-पॉइंटर स्कोर करने के बाद यह उपलब्धि हासिल की। न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ लेकर्स के मैचअप में जेम्स को सिर्फ एक पॉइंट की जरूरत थी। उन्होंने पहले क्वार्टर में 8:34 मिनट शेष रहते लुका डोनसिक फीड से लेफ्ट विंग से तीन-पॉइंटर लगाया। उन्होंने 34 पॉइंट, 8 रिबाउंड और 6 असिस्ट किए, जिससे लेकर्स ने पेलिकन्स पर 136-115 से जीत हासिल की। अमेरिकी खिलाड़ी के संयुक्त स्कोर में अब 41,871 नियमित-सीजन अंक और 8,162 पोस्टसीजन अंक शामिल हैं। वह एनबीए के इतिहास में एक किशोर के रूप में और 40 वर्ष की आयु के बाद खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। पिछले महीने जेम्स एनबीए के इतिहास में 40 या उससे अधिक उम्र में एक खेल में कई 40 से अधिक अंक हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बने। दिग्गज माइकल जॉर्डन एकमात्र अन्य 40 वर्षीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने 40 से अधिक अंक हासिल किए हैं।

नयनतारा ने दर्शकों और मीडिया से की अपील वे उन्हें...

सिर्फ नयनतारा कहें लेडी सुपरस्टार नहीं

अभिनेत्री नयनतारा, जिन्हें उनके प्रशंसक अक्सर लेडी सुपरस्टार के रूप में संबोधित करते हैं। उन्होंने अब मीडिया और दर्शकों से अपील की है कि वे अब से उन्हें सिर्फ नयनतारा के नाम से संबोधित करें, न कि लेडी सुपरस्टार के रूप में। मंगलवार देर रात एक बयान जारी करते नयनतारा ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मेरी यात्रा के दौरान जो मुझे सफलता मिली और मुझे जो खुशी मिली मैं उसके लिए तहे दिल से धन्यवाद करती हूं।

उन्होंने कहा, मेरा जीवन एक खुली किताब की तरह है, जिसे बिना किसी शर्त के प्यार और स्नेह से सजाया गया है। चाहे मेरी मेरी सफलता हो या फिर मुश्किल भरा दौर, मुझे सहारा देने के लिए आप हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। अभिनेत्री ने कहा कि कई लोगों ने उन्हें लेडी सुपरस्टार के नाम से पुकारा है, जो उनके अपार स्नेह की वजह से मिला नाम है। उन्होंने कहा, मुझे इस तरह के नाम से नवाजने के लिए मैं आप सभी की बहुत आभारी हूं। हालांकि, मैं आप सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि मुझे नयनतारा कहकर पुकारें। ऐसा इसलिए क्योंकि मुझे लगता है कि यह नाम मेरे दिल के सबसे करीब है। यह दर्शाता है कि मैं कौन हूं - न केवल एक अभिनेत्री के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उपाधियां और प्रशंसाएं अमूल्य हैं, लेकिन वे कभी-कभी ऐसी छवि भी बना देती हैं, जो सितारों को उनके काम, उनकी कला और दर्शकों के साथ उनके बिना शर्त वाले बंधन से अलग कर देती हैं।

मेरा मानना है कि हम सभी प्यार की भाषा साझा करते हैं, जो हमें सभी सीमाओं से परे जोड़े रखती है। मुझे बहुत खुशी है कि आपका अटूट समर्थन निरंतर बना रहेगा, और इसलिए आपका मनोरंजन करने के लिए मेरी कड़ी मेहनत भी जारी रहेगी। सिनेमा ही है जो हमें एकजुट रखता है, आइए हम इसे एक साथ मनाते रहें।

वेट इश्यू पर सुम्बुल तौकीर को सपोर्ट करती दिखीं रुपाली

एक्ट्रेस भी रही हैं ट्रोलिंग का शिकार

हाल ही में टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करने वालों को मुंह तोड़ जवाब दिया। उन्हें लंबे समय से बढ़ते वजन के कारण ट्रोल किया जा रहा था। जब सुम्बुल ने ट्रोल्स को जवाब दिया तो टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने भी उन्हें सपोर्ट किया।

टीवी सीरियल 'इमली' के जरिए सुम्बुल तौकीर एक जाना-पहचाना नाम बन गईं। एक्टिंग के अलावा वह डांसिंग में भी काफी माहिर है। काफी फिट भी नजर आती थीं लेकिन पिछले कुछ समय से उनका वजन अचानक बढ़ गया, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। ऐसे में सोशल मीडिया ट्रोल्स को सुम्बुल ने जवाब दिया। इस जवाब को टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने भी सराहा है। टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल अकेली नहीं है जो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुईं। खुद रुपाली गांगुली भी सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुईं। जब रुपाली गांगुली का अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा से विवाद हुआ था तो एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया गया था। उनके बारे में काफी कुछ उल्टा-सीधा कहा गया। रुपाली ने भी ट्रोल करने वालों को सोशल मीडिया के जरिए ही जवाब दिया।

रुपाली गांगुली ने री-शेयर की सुम्बुल की पोस्ट

सुम्बुल ने अपने बढ़ते वजन के बारे में बताया कि उन्हें साइकेट्रिस्ट ने, न्यूरोलॉजिस्ट ने कुछ मेडिसिन दी हैं, जो सूट नहीं की। इसलिए वजन बढ़ा है। साथ ही वह ट्रोलिंग करने वालों को भी चुप रहने की बात अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कहती हैं। सुम्बुल की इस पोस्ट को रुपाली गांगुली ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। वह इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए, सुम्बुल पर गर्व करने की बात भी लिखती हैं। सुम्बुल भी रुपाली को इस बात के लिए थैंक्स

मशहूर तेलुगु सिंगर कल्पना राघवेंदर ने की सुसाइड की कोशिश

साउथ फिल्मों की प्रसिद्ध सिंगर कल्पना ने आज सुसाइड की कोशिश की है। इस खबर को सुनकर हर कोई हैरान रह गया हैं। सिंगर फिलहाल अस्पताल में एडमिट हैं और उनका इलाज चल रहा है।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर सिंगर कल्पना राघवेंदर ने नींद की गोलियां खाकर सुसाइड करने की कोशिश की, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में एडमिट कराया गया। कल्पना ने अपने करियर में रवि तेजा और चिरंजीवी जैसे कई कलाकारों के लिए परफॉर्म किया हैं।

सुसाइड के लिए खाई थीं नींद की गोलियां

साउथ सिंगर कल्पना राघवेंदर ने सुसाइड की कोशिश से सभी को चौंका दिया है। उन्होंने सुसाइड करने के लिए नींद की गोलियों का इस्तेमाल किया। फिलहाल, कल्पना का इलाज अस्पताल में चल रहा है। केपीएचबी पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा है कि उन्होंने नींद की गोलियां खाई थीं। बाकी जानकारी कल्पना के होश में आने के बाद मिल सकेगी।

यामी गौतम ने बताया, क्यों नहीं की बड़े बजट की फिल्म

अभिनेत्री यामी गौतम ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इस दौरान बताया कि उन्होंने बड़े बजट की फिल्मों को ना करने का फैसला क्यों लिया और ऐसी फिल्में क्यों ठुकरा दिया।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हमेशा कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा को प्राथमिकता दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी बड़ी फिल्म को अच्छी स्क्रिप्ट की कमी के कारण ठुकराया है, तो यामी ने कहा, हां।

हालांकि, उन्होंने उस प्रोजेक्ट का नाम नहीं बताया, जिसे उन्होंने ठुकराया था। अपने निर्णय पर विचार करते हुए यामी ने बताया, हर निर्णय सोच-समझकर लिया जाता है। व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से मैं उन प्रोजेक्ट पर समय बिताने के लिए आभारी हूं जो वास्तव में मेरे साथ जुड़ते हैं, मैं कहानी के साथ जुड़ती हूं। अभिनेत्री ने अपने दर्शकों से मिले सम्मान और प्रशंसा के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि दर्शक इसका सम्मान करते हैं और वे फिल्म के पैमाने के बजाय मेरे काम के लिए मेरी सराहना करते हैं।

यामी गौतम ने यह भी बताया कि वह कैसी स्क्रिप्ट पसंद करती हैं। अभिनेत्री ने बताया, मैं अपने नॉलेज और अभिनय पर भरोसा करती हूं।

मैं कोशिश करती हूं कि बहुत अधिक सहज ना हो जाऊं। मैं बहुत अधिक विश्लेषण नहीं करती। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद चाहे वह मुझे उत्साहित करे या चुनौती दे, यही मेरे काम करने या ना करने के निर्णय को तैयार करती है। मैं ऐसी भूमिकाओं को निभाने में भरोसा करती हूं जो मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाती है।

आयशा टाकिया के पति पर गोवा में मामला दर्ज

हाल ही में गोवा पुलिस ने आयशा टाकिया के पति पर लोकल लोगों को धमाके, उन्हें बंदूक दिखाने के कारण मामला दर्ज किया है। इस मामले में एक्ट्रेस ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। सलमान खान की फिल्म 'वांटेड' में नजर आईं एक्ट्रेस आयशा टाकिया ने बिजनेस मैन फरहान आजमी से शादी की। हाल ही में एक्ट्रेस के पति पर गोवा में एक मामला दर्ज हुआ है। उन पर लोगों को बंदूक दिखाने और धमकाने के आरोप लगे हैं। इस बारे में एक्ट्रेस ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपना पक्ष बताया है।

आयशा ने बताया अपना पक्ष

आयशा टाकिया ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट लिखा है, जिसमें वह गोवा में हुए भयावह अनुभव के बारे में बताती हैं। इस पोस्ट में आयशा ने बताया कि लगभग 150 लोगों ने उनकी कार को घेर लिया था। वे लोग आयशा के पति और बेटे को बुली कर रहे थे। एक्ट्रेस के पति ने ही पुलिस को फोन किया। आयशा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखती हैं, ' वो हमारे परिवार के लिए डरावनी रात थी। मेरे पति और बेटे को बुरी तरह धमकाया गया और उन्हें अपनी जान का खतरा था क्योंकि गोवा के लोकल लोगों ने उन पर हमला किया, उन्हें धमकाया, परेशान किया। मेरे पति ने ही पुलिस को फोन किया, अपनी सेफ्टी के लिए।'

महाराष्ट्र के लिए लोगों के मन में नफरत

आयशा आगे अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'गोवा में महाराष्ट्र के लिए नफरत अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। वे लोग बार-बार मेरे पति फरहान और मेरे बेटे को महाराष्ट्र से होने के कारण कोस रहे थे। अब पुलिस ने फरहान के खिलाफ ही शिकायत दर्ज की है, जबकि मेरे पति ने ही 150 लोगों की भीड़ को देखकर, पुलिस को फोन किया था।

आयशा ने कहा वीडियो प्रूफ मौजूद हैं

आयशा टाकिया ने एक और पोस्ट इंस्टाग्राम पर की और उसमें बताया कि उनके पास घटना की सीसीटीवी फुटेज मौजूद है। वह जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग करेंगी। साथ ही वह यह भी कहती हैं कि उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था पर पूरा यकीन है।

'कर्ज' के 45 साल पूरे, सुभाष घई बोले-

'रीमेक नहीं बनाऊंगा'

दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर स्टारर 'कर्ज' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 45 साल हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने कहा कि यह फिल्म आज भी उतनी ही नई है, जितनी रिलीज के समय थी, और वह इसका रीमेक नहीं बनाएंगे।

इसी महीने मार्च में होने वाले 'रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल' में दिखाई जाने वाली इस फिल्म के बारे में सुभाष घई ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'कर्ज' ऐसी फिल्म है जो अपने एक्टर्स, म्यूजिक, डायलॉग और एक्टिंग के कारण हमेशा से नई बनी रही। मुक्ता आर्ट्स की 42 फिल्मों की हमारी लाइब्रेरी में 'कर्ज' आज भी एक प्रमुख फिल्म के तौर पर है। सुभाष घई ने बताया कि जब फिल्म 1980 में रिलीज हुई थी तो कई आलोचकों और व्यवसाय के दिग्गजों ने उनसे कहा था कि 'कर्ज' अपने समय से बहुत आगे है। उन्होंने कहा, मैं 'कर्ज' को साल 2025 में भी पसंदीदा फिल्मों में से एक के रूप में देखकर खुश हूं।

'कर्ज' एक रोमांटिक-थ्रिलर है, जिसमें ऋषि कपूर, टीना मुनीम और सिमी ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थीं। जब उनसे से पूछा गया कि क्या वह 1980 की फिल्म का रीमेक बनाना चाहेंगे, तो सुभाष घई ने कहा, मैं इसका रीमेक नहीं बनाऊंगा। मैंने जो कहानी सुनाई, वह पुनर्जन्म की थी, जिसमें साउंड और स्केल का इस तरह से इस्तेमाल किया गया था कि यह हर जेनरेशन के साथ काम कर सके। दर्शकों को फिल्म पसंद आई।

उन्होंने कहा, बढ़िया संगीत एक अच्छी फिल्म को लंबा जीवन देती है, मतलब कि फिल्म काफी चलती है। इसलिए इसकी सफलता का श्रेय इसके संगीत, बोल और स्क्रीन पर प्रस्तुति को जाता है। निर्देशक ने कहा, युवा फिल्म निर्माताओं को फिल्म फेस्टिवल में पुरानी क्लासिक फिल्में देखनी चाहिए और निर्माताओं के साथ बातचीत करनी चाहिए। इस साल रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में कर्ज ओपनिंग फिल्म है।

क्या वाकई में जुदा हो गई हैं तमन्ना-विजय की राहें?

पहले एक-दूजे के प्यार में थे पागल

बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया हमेशा से ही पब्लिक प्लेस में एक-दूसरे के सहज नजर आए हैं। यही नहीं बल्कि दोनों एक-दूसरे के सबसे बड़े प्रशंसक भी रहे हैं, लेकिन हाल ही में पता चला है कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

ब्रेकअप के बाद भी अच्छे दोस्त हैं

पिंकविला के एक सूत्र के मुताबिक, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा कुछ हफ्ते पहले ही अलग हुए हैं, लेकिन जुदा होने के बावजूद भी वे दोनों अच्छे दोस्त बने रहना चाहते हैं। तमन्ना और विजय अपने प्रोजेक्ट्स में काफी बिजी हैं। माना जा रहा है कि काम में बिजी शेड्यूल भी इन दोनों के अलग होने की वजह हो सकती है।

एक समय था जब विजय और तमन्ना एक-दूजे के साथ कई पब्लिक प्लेस पर साथ नजर आते थे। यही नहीं विजय ने तो कथित तौर पर तमन्ना के लिए अपने गहरे प्यार और खुशी का इजहार भी किया था। जीक्यू इंडिया से बातचीत के दौरान, विजय ने तमन्ना के लिए अपनी भावनाओं को खुलासा करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मैं खुश हूं और उसके साथ प्यार में पागल हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना ने विजय की जमकर तारीफ की थी और कहा कि उन दोनों का एक स्वाभाविक रिश्ता है। तमन्ना ने यह भी कहा उनका यह रिश्ता पूरी ईमानदारी के साथ शुरू हुआ क्योंकि उन्होंने सरलता से इस रिश्ते आगे बढ़ाया।

रणबीर कपूर की रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं दीपिका चिखलिया?

रामानंद सागर की टीवी सीरीज रामायण में सीता का किरदार निभा चुकीं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें रणबीर कपूर और साई पल्लवी की आगामी फिल्म रामायण का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। रामायण, जिसे पिछले कुछ सालों में कई टीवी शो और फिल्मों में फिर से बनाया गया है। हालांकि, रामानंद सागर की टीवी सीरीज रामायण का अभी तक कोई मुकाबला नहीं कर पाया है। वहीं अब, रणबीर कपूर और साई पल्लवी कथित तौर पर निर्देशक नितेश तिवारी की आगामी फिल्म रामायण में नजर आने वाले हैं। इसी बीच रामानंद सागर की रामायण में सीता की भूमिका निभा चुकीं दीपिका चिखलिया ने नितेश तिवारी की रामायण का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया है।

अपनी इमेज से खिलवाड़ नहीं करना चाहती दीपिका

हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत के दौरान, दीपिका ने कहा कि रामानंद सागर की रामायण पर बनी टीवी सीरीज जितनी लोकप्रिय कोई और सीरीज अभी तक नहीं बनी है। दीपिका ने कहा, मैं अपनी इमेज के साथ क्यों खिलवाड़ करूं? मैं सीता हूं, मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में कथित तौर पर भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर और माता सीता की भूमिका में साई पल्लवी नजर आएंगी। हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत के दौरान जब दीपिका से नितेश तिवारी की आगामी फिल्म रामायण का हिस्सा बनने के बारे में सवाल किया गया तो इस पर अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें हिंदू महाकाव्य पर आधारित एक टीवी सीरीज में कौशल्या की भूमिका निभाने के लिए पूछा गया था।

साभार एजेंसी